पृष्ठ... 4 पर पढ़ें..

43 साल की श्वेता तिवारी की अभिनेत्री रेखा से तुलना

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
■ वर्ष : 42 ■ अंक : 137 ■ मंगलवार, 13 अगस्त 2024 ■ पृष्ठ 4
3 रुपए
/ulhasvikas संपादक - हीरो अशोक बोधा (BMM, L.L.B.) Mobile.:- 9822045566
epaper.ulhasvikas.com

शिक्षक की प्रताड़ना से परेशान होकर

आइडियल स्कूल के छात्र ने की आत्महत्या

कल्याण. कल्याण पूर्व के आइडियल स्कूल के 12 वर्षीय छात्र ने रविवार को घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. परिवार का आरोप है कि स्कूल में एक टीचर की लगातार प्रताड़ना से तंग आकर छात्र ने यह कदम उठाया. मृतक छात्र की पहचान विग्नेश पात्रो (12) के रूप में की गई है. वह आइडियल स्कूल में आठवीं कक्षा में पढ़ता था। आत्महत्या करने से पहले विग्नेश ने एक नोट लिखा है. पुलिस ने कहा कि नोट में उसने कहा कि उसने आत्महत्या कर ली क्योंकि वह स्कूल में अपने एक शिक्षक की प्रताड़ना से तंग आ गया था। इस आत्महत्या मामले में कोलसेवाड़ी पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है. यह एक राजनीतिक व्यक्ति से संबंधित शैक्षणिक संस्थान है। कोलसेवाड़ी पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अशोक कदम के मार्गदर्शन में पुलिस ने मामले की प्रारंभिक जांच शुरू कर दी है. कुछ दिन पहले कल्याण के पास वरप स्थित सेक्रेड हार्ट स्कूल के छात्र अनीश दलवी ने स्कूल अधिकारियों की मनमानी से तंग आकर आत्महत्या कर ली थी। इस मामले में स्कूल संचालक एल्विन एंथोनी को टिटवाला पुलिस ने गिरफ्तार किया था.

गणेशोत्सव से पूर्व गड्ढा मुक्त सड़कों का वादा

उल्हासनगर में गड्ढों को भरने के लिए आधुनिक तकनीक का उपयोग

- आयुक्त अजीज शेख द्वारा कार्य का निरीक्षण
- शहर में धोकादायक सड़कों से नागरिक परेशान
- अतिधोकादायक सड़कों में हुई हैं कई दुर्घटनाएं

उल्हासनगर. लगातार हो रही बारिश के कारण उल्हासनगर में सड़कों की हालत काफी खराब हो गई है और इस समस्या से निपटने के लिए उल्हासनगर महानगरपालिका ने अब कमर कस ली है. शहर में गड्ढों को भरने के लिए डामर की आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल शुरू हो रहा है। उल्हासनगर मनपा आयुक्त अजीज शेख ने आज इस कार्य की समीक्षा की.

हर साल बारिश के मौसम में उल्हासनगर की सभी सड़कें गड्ढों में तब्दील हो जाती हैं, जिससे वाहन चालकों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। गड्ढों के कारण दोपहिया और चारपहिया वाहनों से होने वाली दुर्घटनाओं की संख्या भी बढ़ गई है। इस समस्या को ध्यान में रखते हुए मनपा आयुक्त डॉ. अजीज शेख ने मामले पर तुरंत कार्रवाई का आदेश दिया. तदनुसार, लोक निर्माण विभाग ने 'मैस्टिक डामर' नामक आधुनिक तकनीक की मदद से गड्ढों को भरने का काम शुरू किया है।

इस प्रक्रिया के तहत डामर को 200 डिग्री के तापमान पर उबालकर चार परतों में बजरी में डाला जाता है, जिससे यह जलरोधी हो जाता है और सड़कें जल्द ही यातायात के लिए खुल जाती हैं। इस काम की शुरुआत धोबीघाट इलाके से की गई है और अगले कुछ दिनों में श्रीराम चौक, नेताजी, हीराघाट, छत्रपति शाहू महाराज फ्लाईओवर आदि प्रमुख सड़कों का भी किया जाएगा. आयुक्त अजीज शेख ने आज कार्य का निरीक्षण किया.

इस अवसर पर सहायक आयुक्त गणेश शिम्पी, सिटी इंजीनियर तरूण सेवकानी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। पूरी प्रक्रिया सिटी इंजीनियर तरूण सेवकानी के नेतृत्व में है। आयुक्त अजीज शेख ने टिप्पणी की कि महानगरपालिका की इस तत्काल कार्रवाई से गणेशोत्सव से पहले शहर की प्रमुख सड़कें गड्ढा मुक्त हो जाएंगी, जिससे नागरिकों को बड़ी राहत मिलेगी.

युवक पर जानलेवा हमला

- वडोल गांव की घटना

उल्हासनगर. उल्हासनगर के वडोल गांव में पुराने विवाद के चलते एक युवक पर जानलेवा हमला किए जाने की घटना सामने आई है। हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया और उसे तत्काल इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है. वडोल गांव का सौरभ म्हात्रे खाने का पार्सल लेकर घर जा रहा था, तभी रोहन जाधव उर्फ वाघ्या ने उसे रोक लिया। कोरोना काल में हुए विवाद पर चर्चा करने की बात कहकर सौरभ को रुकने को कहा। सौरभ ने कहा कहा देर हो चुकी है और बाद में बात करते हैं। लेकिन, रोहन ने पुराने विवाद की रंजिश रखते हुए जान से मारने की नियत से सौरभ की पीठ पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। घटना सेंट जोसेफ स्कूल के पास हुई, सौरभ को पहले छाया अस्पताल, अंबरनाथ ले जाया गया, फिर सेंट्रल अस्पताल, उल्हासनगर में भर्ती कराया गया। गंभीर रूप से घायल होने के कारण सौरभ को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है. इस हमले में रोहन जाधव के खिलाफ अंबरनाथ पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है और वह फिलहाल फरार है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है.

उल्हासनगर राकांपा ने किया मंत्री अदिति तटकरे का भव्य स्वागत

उल्हासनगर. उल्हासनगर विधानसभा 141 में महाराष्ट्र राज्य महिला बालविकास मंत्री अदितीताई तटकरे का कल आगमन हुआ। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी उल्हासनगर शहर जिल्हा अध्यक्ष भरत राजवानी (गंगोत्री) व प्रदेश महासचिव सोनिया धामी के नेतृत्व में समस्त पदाधिकारियों ने उनका भव्य स्वागत किया। विशाल फूल माला पहनाकर मंत्री अदितीताई तटकरे के स्वागत के दौरान सैकड़ों की संख्या में लोग शामिल हुए।

श्रीमती धामी ने महिलाओं के संबंध में शहर की समस्याओं से मंत्री महोदया को अवगत कराया। शहर में राकांपा की विधानसभा चुनाव की तैयारी और कार्यकर्ताओं की उत्सुकता देखकर मंत्री महोदया ने भारत गंगोत्री के नेतृत्व की सराहना की। ज्ञात हो कि 141 उल्हासनगर विधानसभा चुनाव की तैयारी भारत गंगोत्री द्वारा जोरदार तरीके से की जा रही है।

ऑपरेशन के दौरान महिला की मौत

- डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप

उल्हासनगर. रिजेंसी स्थित म्युनिसिपल हॉस्पिटल में शनिवार शाम करीब 7 बजे सर्जरी के दौरान शीला चौहान (50) नाम की महिला की मौत हो गई. परिजनों का आरोप है कि डॉक्टर की लापरवाही से महिला की मौत हुई है. इस बीच, मनपा की चिकित्सा अधिकारी डॉ. मोहिनी शर्मा ने कहा है कि मौत का कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट में स्पष्ट हो जाएगा.

उल्हासनगर महानगर पालिका ने कोरोना काल के दौरान रीजेंसी अंटालिया में 200 बिस्तरों वाला अस्पताल बनाया और 15 करोड़ से अधिक की मशीनरी खरीदी। दो साल से उद्घाटन की बाट जोह रहे महानगर पालिका अस्पताल को अचानक महानगर पालिका ने कैशलेस के नाम पर एक निजी संस्था को संचालन के लिए दे दिया है।

अंबरनाथ बुआपाड़ा की महिला शीला चौहान की शनिवार शाम को सर्जरी हुई। अस्पताल प्रशासन ने परिजनों को बताया कि सर्जरी के लिए ले जाने के बाद महिला की मौत हो गयी. इस घटना से वह सदमे में हैं और डॉक्टर की लापरवाही से मौत होने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है.

बीजेपी पदाधिकारी संजय गुप्ता ने रात में अस्पताल पहुंचने के मामले की जांच की मांग की है. चिकित्सा अधिकारी डॉ. मोहिनी शर्मा ने बताया कि महिला की मौत का कारण पोस्टमार्टम के बाद स्पष्ट होगा।

'हर घर तिरंगा' के तहत भव्य महिला बाइक रैली

- देशभक्ति की भावना लोगों में जगे- आयुक्त

उल्हासनगर. हर किसी के मन में देशभक्ति की भावना को मजबूत करने के लिए, केंद्र और राज्य सरकार की 'हर घर तिरंगा' और 'घर घर तिरंगा' पहल के तहत, उल्हासनगर महानगरपालिका ने एक अनूठी भव्य महिला बाइक रैली का आयोजन किया। इस विशेष रैली में उल्हासनगर महानगरपालिका की महिला अधिकारियों, कर्मचारियों, शिक्षकों, पूर्व नगरसेवकों और एनजीओ प्रतिनिधियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। यह रैली महानगरपालिका मुख्यालय से शुरू हुई वहां से सेक्शन 17, शिवाजी चौक, नेहरू चौक जैसे महत्वपूर्ण स्थानों से होते हुए पुनः मुख्यालय पर समाप्त हुई. देशभक्ति के झंडों से सजी बाइक के साथ इस महिला समूह का लक्ष्य शहर की सड़कों पर देशभक्ति का संदेश फैलाना और नागरिकों में देशभक्ति की भावना पैदा करना है। मनपा आयुक्त अजीज शेख ने विश्वास जताया है कि इस अनूठी पहल से उल्हासनगर शहर के नागरिकों में देशभक्ति की भावना मजबूत होगी. मनपा सचिव प्राजक्ता कुलकर्णी, जनसंपर्क अधिकारी छाया डांगले सहित कई महिला अधिकारी व कर्मचारी शामिल हुए.

अंबरनाथ ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष कृष्णा पाटिल इंदिरा भवन पर 15 अगस्त को ध्वजारोहण करेंगे

- अंबरनाथ पुलिस को दिया गया पत्र
- दो गुटों में टकराव की संभावना
- पुलिस सतर्क

▶▶ यूसुफ शेख

अंबरनाथ. महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस की ओर से अंबरनाथ ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष एवं ठाणे ग्रामीण अध्यक्ष को एक पत्र दिया गया है कि 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस पर कांग्रेस कार्यालय इंदिरा भवन में शहराध्यक्ष कृष्णा रसाल पाटिल के हाथों ध्वजारोहण होगा. कृष्णा पाटिल ने सोमवार शाम में एक पत्रकार परिषद लेकर पत्रकारों को बताया कि वह 15 अगस्त को इंदिरा भवन में सुबह 8.15 बजे ध्वजारोहण करेंगे.

कोई अनुचित प्रकार ना हो इसके लिए अंबरनाथ पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक से कृष्णा पाटिल, रोहित प्रजापति, गोपाल राय, गनी पिरजादे आदि ने भेंट करके पूरी जानकारी देते हुए बताया कि कुछ शिवसेना के लोग 15 अगस्त को अशांति फैला सकते हैं. इसलिए उन्हें सुबह 7 बजे से दोपहर एक बजे तक पुलिस प्रोटेक्शन दिया जाए. एक प्रश्न के उत्तर में कृष्णा पाटिल ने पत्रकारों को बताया कि इंदिरा भवन कार्यालय का कई वर्षों का नपा का गृहकर 9 लाख 35 हजार रुपए बाकी था. उसमें से उन्होंने 4 लाख रुपए नपा को अदा कर दिए हैं. पूरी रकम अदा करने के बाद इंदिरा भवन कार्यालय को वह केयर टेकर कृष्णा पाटिल के नाम पर होगा, तो वह उस पर कब्जा करेंगे.

विदित हो कि दो दिनों पूर्व ही प्रदीप पाटिल एवं उमेश पाटिल निमंत्रक की ओर से ये घोषइत किया गया है कि 15 अगस्त 9.35 बजे वह इंदिरा भवन में ध्वजारोहण करेंगे. कहीं यहां पर दो गुट में टकराव ना हो जाए. इसके लिए पुलिस भी सतर्क हो गई है. पत्रकार परिषद में उपरोक्त दर्ज नेताओं के साथ अनिता प्रजापति, नंदू देवले, महिला अध्यक्षा सायरा सय्यद, राजेंद्र मिश्रा आदि उपस्थित थे.

विवाहिता ने की आत्महत्या, पति-सास समेत 5 गिरफ्तार

कल्याण. टिटवाला पुलिस ने बहू को दहेज के लिए प्रताड़ित करने और आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में सास, ससुर, देवर और पति के खिलाफ मामला दर्ज किया है. पिछले कुछ महीनों से रुपये न देने के कारण ससुराल वाले उसे प्रताड़ित कर रहे थे।

मृतक का नाम आरती केतन भांगरे (25) है। वह टिटवाला में हरिओम वैली फेज II बिल्डिंग में अपने ससुराल वालों के साथ रहती थी। पुलिस ने ससुर दिनकर काशीनाथ भांगरे, सास लतिका दिनकर भांगरे, पति केतन, हिरण गुंजन, बहू मनीषा गुंजन भांगरे के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आरोपी अहमदनगर जिले के अकोले तालुका के एकदरा गांव के मूल निवासी हैं।

अंबरनाथ निर्वाचन क्षेत्र से राकांपा (शरद पवार) को उम्मीदवारी दी जाए

राकांपा शहराध्यक्ष ने जितेंद्र आव्हाड़ को दिया निवेदन

अंबरनाथ. अंबरनाथ निर्वाचन क्षेत्र से महाविकास आघाड़ी से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को उम्मीदवारी दी जाए. ऐसा निवेदन पत्र राकांपा शहराध्यक्ष सदाशिव पाटिल ने राकांपा शहर पवार गट के राज्य सरचिटणीस जितेंद्र आव्हाड़ को दिया है.

पत्र में राकांपा की ओर से अंबरनाथ विधानसभा से उम्मीदवार के लिए धनंजय सुर्वे, सरचिटणीस अंबरनाथ और युवक अध्यक्ष कबिर नरेश गायकवाड़ के नाम दिए गए हैं. निवेदन देते समय सांसद सुरेश (बाल्या मामा) म्हात्रे, राकांपा ठाणे जिलाध्यक्ष काशिनाथ पाटिल, मुरबाड के नगराध्यक्ष रामभाऊ दुधाले व अन्य नेता उपस्थित थे.

निवेदन में ये भी दर्ज किया गया है कि अंबरनाथ निर्वाचन क्षेत्र में बड़े पैमाने पर बौद्ध, अनुसूचित जाति के मतदाता एवं मुस्लिम मतदाता के साथ मजदूर वर्ग के मतदाता हैं. जितेंद्र आव्हाड़ को ये भी जानकारी दी गई है कि सन 2019 के विधानसभा चुनाव में धनंजय सुर्वे को 17 हजार वोट प्राप्त हुए थे और कबिर गायकवाड़ ने आरपीआई पक्ष से राष्ट्रवादी कांग्रेस पक्ष में प्रवेश किया है. अगर दोनों के वोट को एकत्रित किया जाए तो राष्ट्रवादी पक्ष का उम्मीदवार चुनकर आ सकता है. ऐसा अध्यक्ष सदाशिव पाटिल ने कहा है.

चालिया साहेब की धूम

कैम्प-1 भाऊ परसराम झूलेलाल मंदिर में 40 दिनों का मेला

- 16 अगस्त से नवरो व्रत
- भाऊ लीलाराम ने लाल साईं के भक्तों से की अपील
- 25 अगस्त को मंदिर से विशाल शोभा यात्रा

उल्हासनगर. सिंधी समाज के पावन व्रत चालिया साहेब की धूम शहर में मची हुई है। उल्हासनगर 1 स्थित भाऊ परसराम झूलेलाल मंदिर में हर साल 16 जुलाई के दिन सिन्धी समाज के इष्टदेव भगवान श्री झूलेलाल जी के चालिया साहेब व्रत का आरम्भ होता है और 24 अगस्त के दिन मटकी उठा कर पवित्र जल में विसर्जन कर इस व्रत की समाप्ति होती है, यह व्रत 40 दिन का होता है, जो लोग इस व्रत को 40 दिन नहीं रख पाते है वो लोग आखिरी के 9 दिन (नवरो) व्रत रख सकते है जिसकी शुरुआत आने वाले 16 अगस्त के दिन से शुरू होने जा रहे है, साथ ही साथ 25 अगस्त के दिन उल्हासनगर 1 भाऊ परसराम झूलेलाल मंदिर से हिरा घाट तक एक विशाल शोभा रैली भी निकाली जाती है जिसमें हजारों की संख्या में लाल साईं के भक्त शामिल होते है। मंदिर प्रमुख भाऊ लीलाराम ने सभी लाल साई भक्तों से इसमें शामिल होने की अपील की है।

मनपा की मैराथन में दौड़े मात्र 8 धावक

- योजना की कमी के कारण मात्र 5 छात्र मैराथन में दौड़े
- आयुक्त सहित अधिकारी, कर्मचारी अनुपस्थित

उल्हासनगर. मनपा की मैराथन में सिर्फ 5 छात्र, 2 पत्रकार और खुद खेल विभाग के मुखिया के दौड़ने से यह चर्चा का विषय बन गया है. दिलचस्प बात यह है कि कमिश्नर समेत आम कर्मचारियों ने भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए हुए जिससे कार्यक्रम पूरी तरह से टांय-टांय फिस्स हो गया.

केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार के आदेशानुसार हर घर तिरंगा अभियान के तहत देश के प्रत्येक नागरिक के मन में देशभक्ति की भावना जागृत करने के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसी उद्देश्य से प्रेरित होकर उल्हासनगर महानगर पालिका ने मनपा आयुक्त अजीज शेख के मार्गदर्शन में एक विशेष मैराथन दौड़ का आयोजन किया. रविवार सुबह शांतिनगर स्वागत गेट से छत्रपति शिवाजी महाराज चौक तक मार्च करते हुए वापस शांतिनगर स्वागत गेट तक मैराथन दौड़ हुई. महानगरपालिका सचिव प्राजक्ता कुलकर्णी, सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग अधिकारी श्रद्धा बाविस्कर, भंडारा प्रभाग अधिकारी अंकुश कदम, खेल विभाग शांताराम चौधरी, जनसंपर्क अधिकारी छाया डांगले, फायर ब्रिगेड अधिकारी सुरेश बॉम्बे और पुलिस उपनिरीक्षक प्रवीण पवार उपस्थित थे। सुबह 8 बजे शुरू होने वाली तिरंगा दौड़ धावकों के एकत्रित नहीं होने के कारण 9 बजे शुरू हुई। इसमें वेदांता कॉलेज के पांच विद्यार्थी स्वतःस्फूर्त रूप से भाग लेने आये। उनके साथ स्थानीय पत्रकार महेश रोकड़े और सोनू शिंदे भी शामिल हुए। अंत में खेल विभाग के प्रमुख शांताराम चौधरी ने भी इसमें दौड़ लगाई.

अनुपस्थित रहने वालों पर कार्रवाई कौन करेगा?

इससे पिछले कमिश्नर ने आदेश पारित किया था कि सभी कर्मचारियों को मैराथन जैसे आयोजनों में शामिल होना अनिवार्य है। हालांकि, आयुक्त अजीज शेख, अतिरिक्त आयुक्त जमीर लेंगरेकर, किशोर गवस, उपायुक्त सुभाष जाधव, मुख्य कर निर्धारक नीलम बोडारे और विभाग के सभी कर्मचारी अनुपस्थित थे। और तो और, आयुक्त के अनुपस्थित रहने पर वह कर्मचारियों पर क्या कार्रवाई करेंगे? ऐसा सवाल अब उठ रहा है.

कार की टक्कर से 3 छात्र गंभीर रूप से घायल

कल्याण. कल्याण के निकट पतरीपुल में एक तेज रफ्तार कार चालक की टक्कर से नेतिवली क्षेत्र के तीन छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए। कार का ड्राइवर मौके से नहीं भागा और उसने तीनों छात्रों को महानगर पालिका के डोंबिवली स्थित शास्त्री नगर अस्पताल में भर्ती कराया. वहां डॉक्टरों द्वारा इलाज के बाद इन छात्रों को घर छोड़ दिया गया.

इस हादसे में निखिल तपेश्वर शर्मा (15), दीपेश जीतेंद्र शर्मा (12), प्रिंस रमेश शर्मा (12) घायल हो गये. कार चालक की पहचान तन्मय अनिल राणे (22) के रूप में हुई है। कोलसेवाड़ी पुलिस स्टेशन में निखिल की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मोटर कार चालक तन्मय के खिलाफ लापरवाही से गाड़ी चलाने का मामला दर्ज किया है।

पुलिस ने कहा कि निखिल, दीपेश और प्रिंस शुक्रवार सुबह रोजाना की तरह पतरीपुल इलाके से पैदल हाजीमलंग रोड स्थित अपने स्कूल जा रहे थे। सड़क पर चलते समय पतरी पुल दिशा से एक मोटर तेज गति से आई। इस कार की टक्कर से तीनों छात्र जमीन पर गिर पड़े। घटना के बाद ये छात्र रोने लगे. पैदल चलने वालों और अन्य वाहन चालकों ने उनकी मदद की। आरोपी कार चालक तन्मय ने घटनास्थल से भागे बिना तीनों छात्रों को महानगर पालिका के शास्त्री नगर अस्पताल में भर्ती भी कराया. वहां उसका प्राथमिक उपचार किया गया और इसकी जानकारी उसके माता-पिता को देने के बाद उसे घर छोड़ दिया गया. पुलिस ने तन्मय राणे के खिलाफ लापरवाही से गाड़ी चलाने का मामला दर्ज किया है.

जीवन में हजारों लड़ाइयां जीतने से बेहतर स्वयं पर विजय प्राप्त कर लो. फिर जीत हमेशा तुम्हारी होगी, जिसे तुमसे कोई नहीं छिप सकता. - महात्मा गौतम बुद्ध

उल्हास विकास संपादकीय

अस्पतालों में महिला सुरक्षा पर सवाल

अस्पतालों में महिला चिकित्सा कर्मियों की सुरक्षा को लेकर अनेक बार सवाल उठते रहे हैं। खासकर रात के वक्त उनकी सुरक्षा के विशेष प्रबंध की जरूरत रेखांकित की जाती है। मगर इस तकाजे पर गंभीरता से ध्यान कम ही दिया जाता है। इसी का नतीजा है कि सेवा के समय अक्सर महिला स्वास्थ्य कर्मियों के साथ यौन उत्पीड़न की घटनाएं सामने आ जाती हैं। कोलकाता के एक सरकारी मेडिकल कालेज में प्रशिक्षु चिकित्सक की हत्या इसकी एक कड़ी है।

प्राथमिक जांच से पता चला है कि उस चिकित्सक का बलात्कार किया गया और फिर उसे मार डाला गया। उसका शव अस्पताल के सम्मेलन कक्ष में पाया गया। शव परीक्षा में उसके शरीर पर जगह-जगह गंभीर चोटें पाई गई हैं। हालांकि अस्पताल के कैमरों से मिली तस्वीरों के आधार पर एक संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया गया है और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस मामले पर खासा सख्त रुख जाहिर किया है, मगर इस घटना को लेकर अस्पताल कर्मियों और चिकित्सा छात्रों का रोष कम नहीं हो रहा। घटना की जांच के लिए सरकार ने सात सदस्यों का विशेष जांच दल नियुक्त कर दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि अगर पीड़िता के परिजन चाहें तो वे इसकी सीबीआइ जांच के आदेश भी देने को तैयार हैं। मगर सवाल है कि आखिर इस तरह का साहस किसी में आया कैसे, कि उसमें कानून का जरा भी भय पैदा क्यों नहीं हुआ। अगर कानून-व्यवस्था का खौफ होता और अस्पताल प्रशासन मुस्तैद रहता, वहां सुरक्षा इंतजाम पुख्ता होते, तो ऐसी वारदात होने ही न पाती।

अच्छी बात है कि सरकार इस मामले पर किसी तरह की लीपापोती करने का प्रयास नहीं कर रही है, मगर सवाल है कि महिलाओं की सुरक्षा को लेकर वहां इतनी लचर व्यवस्था क्यों है कि ऐसी घटनाएं हो जाती हैं। यह केवल किसी अस्पताल तक सीमित समस्या नहीं है। सामान्य रूप से भी घर से बाहर निकलते वक्त महिलाएं सशंकित रहती हैं कि उनके साथ कुछ अनहोनी न घट जाए। अगर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री सचमुच महिलाओं की सुरक्षा को लेकर गंभीर हैं, तो उन्हें इस दिशा में व्यावहारिक कदम उठाने का प्रयास करना चाहिए।

दुनिया में हुए युवा आंदोलनों को याद करने की जरूरत

गुजरात के नवनिर्माण आंदोलन और बिहार के संपूर्ण क्रांति आंदोलन के जब 50 वर्ष पूरे हो रहे हैं, तब कई देशों में हुए एक और युवा आंदोलन को याद करना जरूरी है, जिसके घटनाक्रम अब भी हमारी स्मृतियों में ताजा हैं। चंद महीनों बाद उस आंदोलन के 15 साल पूरे हो जाएंगे, जिसे हम 'अरब_प्रिंरग' के नाम से जानते हैं। ट्यूनीशिया से शुरू हुआ यह आंदोलन जब एक के बाद एक पश्चिम एशिया के तमाम देशों में फैलने लगा, तो पूरी दुनिया की खैर-खबर रखने वाले तकरीबन सभी आलिम-फाजिल दांतों तले उंगली दबाने को मजबूर थे। लीबिया, मिस्र, यमन, सीरिया, बहरीन जैसे देशों में नौजवान सड़कों पर आ चुके थे। वे तानाशाही की तमाम पाबंदियां हटाने और मानवाधिकार देने की मांग कर रहे थे। यह हवा इतनी तेज थी कि मोरक्को, इराक, अल्जीरिया, लेबनान, जॉर्डन, कुवैत, ओमान, सूडान और यहां तक कि सऊदी अरब में भी इसके झोंके महूसस किए गए। आंदोलन का भूगोल भले ही सीमित रहा हो, लेकिन इसने दुनिया के तानाशाहों और लोकतांत्रिक ताकतों को यह संदेश दे दिया था कि इस नए दौर में पुराने तौर-तरीकों से नौजवान पीढ़ी को ज्यादा समय तक भरमाए नहीं रखा जा सकता।

नए दौर का जिक्र यहां इसलिए जरूरी है कि इंटरनेट, मोबाइल फोन और सोशल मीडिया के आगमन के बाद का यह पहला बड़ा आंदोलन था, जो एक साथ कई देशों में फैला। तकनीक ने देश की सीमाओं से परे लोगों को आपस में जुड़ने का मौका दे दिया था। इनसे लोगों को लामबंद किया गया, धरना स्थलों तक खींच लाया गया और जो नहीं पहुंच सके,

वे लाइक, कमेंट और फॉरवर्ड से भागीदार बनते रहे। इस सबका असर भी दिखा। कई देशों के शासनाध्यक्षों को गद्दी छोड़नी पड़ी। कई राजाओं ने अपनी गद्दी तो नहीं छोड़ी, लेकिन उन्हें प्रधानमंत्रियों को बर्खास्त करना पड़ा। तमाम जगहों पर सरकारें भंग की गईं और नए सिरे से चुनाव कराए गए।

मगर इन सबके बाद क्या रक्तहीन क्रांति की बात करने वाले इन देशों के नौजवानों ने वह हासिल कर लिया, जिसके लिए वे सड़कों पर निकले थे? इसका जवाब पाने के लिए हमें अमेरिकी थिंक टैंक 'कौंसिल ऑन फॉरेन रिलेशन' के एक अध्ययन को देखना होगा। यह अध्ययन बताता है कि इन सबमें ट्यूनीशिया एकमात्र ऐसा देश है, जहां लोकतंत्र स्थापित हुआ। बाकी सभी देशों में तानाशाही जैसी थी, कम या ज्यादा वैसी ही बनी रही। अपवाद सिर्फ मिस्र और सीरिया को कह सकते हैं, जहां सत्ता पहले से ज्यादा सख्त हो गई। तमाम देशों में लोगों के अधिकार कम कर दिए गए और उनके जीवन-स्तर में भी कोई खास सुधार नहीं हुआ। यहां तक कि ट्यूनीशिया में भी, जहां लोकतंत्र काफी हद तक स्थापित हो चुका था। युवा आंदोलनों के बारे में अक्सर यह कहा जाता है कि वे बेरोजगारी की कुंठा से उपजते हैं। इलाज भी यही बताया जाता है कि नौजवानों को काम में लगाकर घर-गृहस्थी में उलझा दो, तो वे सड़कों पर नहीं निकलेंगे। यह धारणा कितनी सही है और कितनी नहीं, इस विस्तार में जाए बिना अगर हम 'अरब क्रांति' के दौरान आंदोलित देशों को देखें, तो आंदोलन के बाद भी वहां की सरकारों ने इस इलाज को अपनाने की या तो कोशिश नहीं की या फिर इसमें सफलता हासिल नहीं की। ज्यादातर देशों में बेरोजगारी दर कम या ज्यादा वैसी ही बनी रही, जैसी वह पहले थी।

हम अरब देशों की इस क्रांति को तब याद कर रहे हैं, जब हमारे पड़ोस बांग्लादेश में युवा उबाल का एक अन्य रूप हमने अभी देखा है। चंद हफ्तों के युवा आंदोलन ने 15 साल से जमी-जमाई उस सरकार को उखाड़ फेंका, जो आई तो लोकतंत्र के दरवाजे से थी, लेकिन पूरे देश को तानाशाही की गहरी गुफाओं में ले गई। इस आंदोलन का स्वागत किया जाना चाहिए, पर अरब_प्रिंरग के सबक यहां हमें आशंकित करते हैं। डर है कि ये नौजवान जितना हासिल करने के लिए घर से निकले हैं, कहीं उससे ज्यादा वे खो न दें। इस डर का कारण भी है। सत्ता में बदलाव के बाद वहां जिस तरह से हिंसा हो रही है, सांप्रदायिक तत्वों को खेलने का मौका मिला है और अल्पसंख्यकों को निशाना बनाया जा रहा है, वह भविष्य को लेकर कोई उम्मीद नहीं बनाता।

प्रभु की महानता इसमें है कि प्रभु सबके लिए हैं।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चौनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

कर्जमाफी से बढ़ती है बैंकों की मुश्किलें

किसी भी देश की अर्थव्यवस्था की सेहत का पता इस बात से भी चलता है कि उसके बैंकों का कारोबार कैसा है। बैंकों का कारोबार मुख्य रूप से लोगों से जमा आकर्षित करने और उसे कर्ज के रूप में देकर उससे ब्याज कमाने से चलता है। मगर इस समय भारतीय बैंकों में जमा और कर्ज का अंतर काफी बढ़ गया है। इसे लेकर सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक की चिंता स्वाभाविक है। पिछले दिनों मौद्रिक समीक्षा के वक्त आरबीआइ के गवर्नर ने बैंकों से इस अंतर को पाटने के लिए विशेष योजनाएं चलाने की सलाह दी थी।

उन्होंने कहा कि बैंक ब्याज दरें निर्धारित करने को स्वतंत्र हैं। यही बात केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने आरबीआइ गवर्नर के साथ बैठक में कही। वित्तमंत्री ने कहा कि बैंक अपने मुख्य कारोबार पर ध्यान दें। लोगों से जमा आकर्षित करने के लिए वे आकर्षक योजनाएं चला सकते हैं। दरअसल, सार्वजनिक बैंक निवेश की कमी के चलते गंभीर परेशानियों के दौर से गुजर रहे हैं। कायदे से बैंक अपनी ब्याज दरें रेपो दरों से आधा से लेकर एक फीसद तक ऊपर रख सकते हैं। मगर इस मामले में भी उन्हें कुछ राहत दी गई है, फिर भी उनके पास अपेक्षित जमा नहीं आ पा रहा।

पिछले कुछ वर्षों से लोगों की आमदनी लगातार कम हुई है

इसकी वजहें साफ हैं। पिछले कुछ वर्षों से लोगों की आमदनी लगातार कम हुई है। पहले जीएसटी की वजह से छोटे कारोबारियों पर बुरा असर पड़ा, फिर कोरोनाकाल में पूर्णबंदी के बाद बहुत सारे कारोबार बंद हो गए, लाखों लोगों

की नौकरियां चली गईं। जिन लोगों के पास नौकरियां हैं भी, उनके वेतन में तुलनात्मक रूप से काफी कम बढ़ोतरी हुई है, जबकि महंगाई काफी बढ़ गई है। इस तरह बहुत सारे लोगों के पास बचत के लिए पैसे हैं ही नहीं कि उन्हें वे बैंकों में रखें। बल्कि इसका उलट यह हुआ है कि छोटे-छोटे काम के लिए भी लोगों को कर्ज लेने पड़ रहे हैं। कर्ज पर ब्याज की भरपाई करना भी बहुत सारे लोगों के लिए कठिन बना हुआ है।

बचत के बारे में लोग तब सोचते हैं, जब उनके पास जरूरी खर्चों से अधिक आमदनी होती है। मगर सरकार लगातार इस हकीकत पर पर्दा डालने का प्रयास करती रही है कि रोजगार और आमदनी के स्रोत लगातार घटे हैं। कुछ दिनों पहले आम बजट पेश करते हुए वित्तमंत्री ने खुद दोहराया था कि बेरोजगारी कोई समस्या नहीं है, गरीबी लगातार कम हो रही है। अगर सचमुच ऐसा होता, तो सरकार को इस तरह बचत बढ़ाने को लेकर चिंतित न होना पड़ता।

बैंकों में लोगों द्वारा जमा बचत से राष्ट्रीय बचत बनती है। जिस देश के पास राष्ट्रीय बचत जितनी अधिक होती है, उसे अपनी विकास परियोजनाएं चलाने में उतनी ही आसानी होती है। मगर इस वक्त जब चालू खाते में जमा की दर चिंताजनक देखी जा रही है, तो लंबे समय के लिए चलाई जाने वाली बचत योजनाओं में निवेश को लेकर क्या ही दावा किया जा सकता है। अगर बैंक आकर्षक योजनाएं लेकर आएंगे और उन पर अधिक ब्याज की पेशकश भी करेंगे, तो कितने लोग आकर्षित हो पाएंगे, कहना कठिन है।

सरकारी योजनाओं के तहत कर्ज देने की बाध्यता और उनके वापस न लौट पाने, फिर बड़े पैमाने पर कर्जमाफी के चलते भी सार्वजनिक बैंकों के जमा और कर्ज में अंतर आया है। ऐसे में, सरकार बुनियादी पहलुओं पर काम करने के बजाय बैंकों पर दबाव बना कर शायद ही इस समस्या से पार पा सकेगी।

जहरीला पदार्थ डालते ही टूट जाता है कप-प्लेट

एक ऐसा अनोखा कप और प्लेट जिसमें विषैला पदार्थ डालते ही वो अपने आप टूट जाता है. जी हां, सुनने में भले ही अजीब लगे लेकिन यह खास कप और प्लेट बिहार की राजधानी पटना में मौजूद है. इसको देखने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं. शहर की शान और धरोहरों का खजाना खुदाबख्श लाइब्रेरी देश के राष्ट्रीय पुस्तकालयों में शुमार है.

यह प्राचीन पांडुलिपियों और दस्तावेजों के विशाल संग्रह के लिए पूरी दुनिया में विख्यात है. सिर्फ किताबों के लिए नहीं बल्कि खुदाबख्श लाइब्रेरी पुराने चीजों के म्यूजियम के लिए भी

जरा हट के

जाना जाता है. यहीं पर यह खास कप और प्लेट भी संजो कर रखी गई है. लोग आते हैं और इस कप-प्लेट को देख तस्वीर लेने से खुद को रोक नहीं पाते हैं. आपको बता दें कि खुदाबख्श लाइब्रेरी की अहमियत और कीमत का

अंदाजा आप इसी से लगा सकते हैं कि तुर्की की लाइब्रेरी के बाद इस लाइब्रेरी को दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी लाइब्रेरी के तौर पर जाना जाता है.

यहां 21 हजार ओरिजिनल पांडुलिपि के साथ-साथ 2.9 लाख से अधिक पुस्तकें मौजूद है.

मुगल के जमाने का है यह कप प्लेट

खुदाबख्श लाइब्रेरी के सहायक लाइब्रेरी सूचना अधिकारी डॉ. सईद मसूद हसन ने बताया कि यह कप और प्लेट मुगल जमाने का है. उस समय राजा महाराजा को यह डर रहता था कि कहीं कोई उनके खाने में जहर डालकर उनकी जान ना ले लें. इसलिए वे लोग इस तरह के खास बर्तन का प्रयोग करते थे. ताकि जैसे ही कोई खाने में जहर डालकर मारने का प्रयास करें तो बर्तन अपने आप टूट जाए और सारा विषैला भोजन बर्बाद हो जाए. इसके साथ ही खाना विषैला है या नहीं, इसकी भी पहचान इस खास कप प्लेट के जरिए हो जाती थी. उन्होंने आगे बताया कि यह हरे रंग का कप और प्लेट आज से तकरीबन 500 साल पुरानी है.

दांतों में आ गया है पीलापन?

- इन 5 चीजों का करें इस्तेमाल
- मोतियों की तरह चमकेंगे आपके दांत

दांतों की देखभाल के मद्देनजर बहुत लोग दिन भर में दो या तीन बार ब्रश करते हैं. कुछ लोग तरह-तरह के डेंटल केयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं. इसके बावजूद भी दांतों में पीलापन आने लगता है. ऐसे में आप कुछ घरेलू तरीकों की मदद से दांतों के पीलेपन से छुटकारा पा सकते हैं. आइए जानते हैं इन चीजों के बारे में.

ऑयल पुलिंग

दांतों का पीलापन दूर करने के लिए ऑयल पुलिंग भी अच्छी मानी जाती है. इसके लिए एक चम्मच नारियल का तेल या फिर तिल के तेल को मुंह में भर लें और तकरीबन दस-पंद्रह मिनट तक मुंह में चारों ओर घुमाएं. फिर साफ पानी से माउथ वॉश कर लें. इससे दांतों के पीलेपन के साथ ही कई और डेंटल प्रॉब्लम से भी छुटकारा मिल जाता है.

नीम

दांतों के पीलेपन से छुटकारा पाने के लिए आप नीम की मदद ले सकते हैं. इसके लिए आप नीम की दातून का इस्तेमाल करें. बता दें कि नीम की दातून नीम की मुलायम डंडी से बनायी जाती है. जिसको टूथब्रश की तरह से इस्तेमाल किया जाता है. इससे दांतों की कई और दिक्कतों से भी निजात मिलती है.

फलों के छिलके

दांतों को चमकाने और इनका पीलापन दूर करने के लिए आप फलों के छिलके भी इस्तेमाल कर सकते हैं. इसके लिए केला, संतरा या नींबू के छिलके लें और इनको दो-तीन मिनट तक धीरे-धीरे अपने दांतों पर रगड़ें. इसके बाद साफ पानी से कुल्ला कर लें या फिर ब्रश कर लें.

नमक और सरसों का तेल

दांतों के पीलेपन को दूर करने के लिए आप नमक और सरसों के तेल का मिक्सचर भी यूज कर सकते हैं. इसके लिए एक चुटकी नमक में कुछ बूंद सरसों का तेल मिलाकर पेस्ट बना लें. फिर इस पेस्ट को उंगली पर लेकर कुछ देर तक दांतों और मसूड़ों की मसाज करें. इससे दांतों का पीलापन तो दूर होता ही है साथ ही मसूड़े भी मजबूत बनते हैं.

बेकिंग सोडा–नींबू का रस

मोती जैसे सफेद दांतों के लिए आप बेकिंग सोडा और नींबू को भी इस्तेमाल कर सकते हैं. इसके लिए दो-तीन चुटकी बेकिंग सोडा लेकर इस में कुछ बूंद नींबू का रस मिक्स करके पेस्ट बनायें. फिर इस पेस्ट को टूथब्रश में

मिर्गी के 4 बड़े

भारत में आज भी कई बीमारियों को लेकर अंधविश्वास व्याप्त है. इन बीमारियों के इलाज के लिए लोग झाड़-फूंक करवाते हैं. कई बार यह अंधविश्वास जान के लिए खतरा पैदा कर सकता है. इसी तरह की एक बीमारी है मिर्गी. इस बीमारी को लेकर आज भी लोगों में कई तरह की भ्रांतियां व्याप्त हैं. कई लोग मिर्गी आने पर झाड़-फूंक का सहारा लेते हैं, जबकि सही समय पर इलाज मिलने से मिर्गी से छुटकारा पाया जा सकता है. मिर्गी के लक्षणों की पहचान कर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए. आइए आज हम दिल्ली के आयुष्मान हॉस्पिटल के न्यूरोलॉजिस्ट डॉक्टर अभिषेक श्रीधर से जानते हैं कि मिर्गी के प्रमुख लक्षण क्या हैं.

1.चक्कर आना

मिर्गी से पीड़ित व्यक्तियों को बार-बार दौरे आते हैं. उन्हें अचानक कभी भी, कहीं भी चक्कर आ जाता है. अगर आपकी जान-पहचान में भी किसी को ऐसे लक्षण हैं तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें. अगर मिर्गी की बीमारी सामने आती है तो बिना झाड़-फूंक के चक्कर में पड़े डॉक्टर की।सलाह पर दवा लें.

2.शरीर मे झुनझुनी

मिर्गी से पीड़ित मरीजों के शरीर में हमेशा झुनझुनी बनी रहती है. अगर किसी मरीज के शरीर में झुनझुनी रहती है तो मिर्गी का मरीज हो सकता है.

3.गुस्सा आना

मिर्गी के मरीजों को अचानक तेज गुस्सा आ जाता है. यह गुस्सा काफी तेज हो सकता है. वो किसी भी बात पर अचानक गुस्सा हो सकते हैं.

4. मुंह से झाग निकलना

अगर किसी को मिर्गी के दौरे आते हैं बार उसके मुंह से झाग निकलने लगता है. अगर आपकी जान-पहचान में भी किसी को चक्कर आने पर मुंह से झाग निकलने लगता है तो वो भी मिर्गी का शिकार हो सकता है. ऐसी स्थिति में तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए.

इन सब लक्षणों के अलावा मिर्गी के कुछ अन्य लक्षण भी हो सकते हैं. मिर्गी के मरीजों को लाइफस्टाइल में भी कई तरह के परिवर्तन करने होते हैं. मिर्गी के मरीजों को धूम्रपान, शराब आदि का सेवन नहीं करना चाहिए. इससे मिर्गी का खतरा और बढ़ जाता है. मिर्गी के मरीजों को हेल्दी फू लजे सेवन

भुट्टे का चीला

खाना-खजाना

सामग्री

- भुट्टे के दाने – 2 कटोरी
- प्याज – 1
- बेसन – 1 कटोरी
- टमाटर – 1
- शिमला मिर्च – 1
- पत्तागोभी बारीक कटी – 1 कटोरी
- हरी मिर्च कटी – 1 टी स्पून
- हरी धनिया पत्ती कटी – 2 टेबलस्पून
- लहसुन-अदरक पेस्ट – 1 टी स्पून
- लाल मिर्च पाउडर – 1 टी स्पून
- जीरा – 1 टी स्पून
- हल्दी – 1 टी स्पून
- अजवाइन – 1 टी स्पून
- गरम मसाला – 1/2 टी स्पून
- तेल – जरूरत के मुताबिक
- नमक – स्वादानुसार

बनाने की विधि

भुट्टे का चीला बनाने के लिए सबसे पहले सॉफ्ट दानों वाला भुट्टा लें. अब भुट्टे से दानों को निकालें और उन्हें मिक्सर में डालकर दरदरा पीस लें. अब भुट्टे के इस पेस्ट को एक मिक्सिंग बाउल में निकाल लें और इसमें बेसन डालकर अच्छी तरह से मिला लें. इसके पत्तागोभी, प्याज, टमाटर और शिमला मिर्च

को बारीक-बारीक काटें. कटी सब्जियां थोड़ी सी बचाकर बाकी सभी को कॉर्न-बेसन के मिश्रण में डालकर ठीक ढंग से मिला लें.

अब मिश्रण में अदरक-लहसुन पेस्ट, गरम मसाला, जीरा, हल्दी, लाल मिर्च समेत सारे मसाले डालें और आखिर में स्वादानुसार नमक मिक्स कर दें. अब मिश्रण में थोड़ा सा पानी डालें और चीले का पेस्ट तैयार कर लें.

एक नॉनस्टिक तवा लें और उसे मीडियम आंच पर गर्म करें. तवा गर्म हो जाने के बाद इस पर थोड़ा सा तेल डालकर फैलाएं. अब एक कटोरी में चीले का पेस्ट लेकर तवे पर डालें और फैलाएं. कुछ देर बाद चीले के ऊपर कटी प्याज, टमाटर, शिमला मिर्च के थोड़े से टुकड़े डालकर टॉपिंग करें. इसके बाद चीले को पलटते हुए दोनों ओर से हल्का सुनहरा होने तक सेकें. इसके बाद प्लेट में उतार लें. इसी तरह पेस्ट से सारे भुट्टे के चीले तैयार कर लें. भुट्टे के चीले नाश्ते में या दिन में कभी भी खाए जा

इनडोर पौधों को कितना पानी देना चाहिए?

- किस तरह से करें इनकी देखभाल
- ये हैं कुछ बेहद आसान तरीके

कई लोगों को घर में पौधे लगाने का बहुत शौक होता है. इसके लिए वो तरह-तरह के कई पौधे घर में लगाते हैं. आजकल इनडोर प्लांटिंग का काफी प्रचलन है. शहरों में अधिकांश लोग घरों में पौधे लगाते हैं. घर में लगाए गए इन पौधों की देखभाल करना बेहद जरूरी होता है. समय-समय पर उन्हें पानी देना सबसे आवश्यक होता है. इनडोर पौधों को लेकर अधिकांश लोगों को ये जानकारी नहीं होती कि कितना पानी देना चाहिए.

अगर पौधों को कम पानी देंगे तो वो जल्दी सूख जाएंगे. वहीं, उन्हें अधिक पानी देंगे तो उनके सड़ने का खतरा बढ़ जाता है. पौधों को ज्यादा पानी देना भी नुकसानदेह होता है, इसलिए हमेशा जरूरत को समझते हुए ही पानी देना चाहिए. आइए आज हम आपको बताते हैं कि रोजाना या सप्ताह में इनडोर पौधों को कितना पानी देना चाहिए.

आपके घर में लगाए गए हर पौधे को पानी की अलग-अलग जरूरत होती है. किसी भी पौधे में पानी की समान मात्रा की जरूरत नहीं होती. जहां बड़े पत्ते वाले पौधों को ज्यादा पानी की जरूरत होती है छोटे पत्ते वाले अधिकांश पौधों को कम पानी चाहिए होता है. अगर किसी पौधे

की पत्तियां मुरझाई हुई हैं तो ये समझ जाना चाहिए कि उन्हें पानी की जरूरत है. ऐसे में उन्हें तुरंत पानी दें. सप्ताह में कम से कम एक बार इनडोर पौधों की जांच जरुर करें. उन्हें देखें कि कहीं पत्तियां मुरझाई हुई तो नहीं है.

पौधों को पानी देने के लिए आप वाटरबैग का इस्तेमाल कर सकते हैं.।हर एक से दो दिन में पौधों की नमी की जांच करते रहे. अगर उंगली मिट्टी में आसानी से जाए तो समझिए अभी पानी की कोई जरूरत नहीं है. लेकिन अगर मिट्टी सूख रही हो तो पानी जरूर दें. पौधों के लिए बारिश का पाने सबसे अच्छा माना जाता है. बारिश के पानी से पौधे खिल उठते हैं. पौधों को हमेशा सुबह पानी देने का प्रयास करें.

आज का राशिफल

मेष : पुराना रोग उभर सकता है। योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। विरोधी सक्रिय रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। मित्रों की सहायता कर पाएंगे। आय में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

वृष : व्यवसाय में ध्यान देना पड़ेगा। व्यर्थ समय न गंवाएं। पूजा-पाठ में मन लगेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। जल्दबाजी से हानि संभव है। थकान रहेगी। कुसंगति से बचें। निवेश शुभ रहेगा। पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। दूसरों के काम में हस्तक्षेप न करें।

मिथुन : घर-परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। फालतू खर्च होगा। विवाद को बढ़ावा न दें। अपेक्षाकृत कार्यों में विलंब होगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे। आय में निश्चितता रहेगी।

कर्क : कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति निर्मित होगी। प्रेम-प्रसंग में जोखिम न लें। व्यापार में लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें। शत्रु पस्त होंगे। विवाद में न पड़ें। अपेक्षाकृत कार्य समय पर होंगे। प्रसन्नता रहेगी। भाग्य का साथ मिलेगा।

सिंह : बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। स्थायी संपत्ति से बड़ा लाभ हो सकता है। समय पर कर्ज चुका पाएंगे। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न तथा संतुष्ट रहेंगे। घर-परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी, ध्यान रखें।

कन्या : पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। समय की अनुकूलता का लाभ मिलेगा। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। अपने काम पर ध्यान दें।

तुला : दूर से बुरी खबर मिल सकती है। दौड़धूप अधिक होगी। बेवजह तनाव रहेगा। किसी व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है। फालतू बातों पर ध्यान न दें। मेहनत अधिक व लाभ कम होगा। किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं। शत्रुओं की पराजय होगी। व्यापार लाभदायक रहेगा।

वृश्चिक : कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। चिंता बनी रहेगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी। निवेश लाभदायक रहेगा। व्यापार-व्यवसाय में मनोनुकूल लाभ होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

धनु : उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। बड़ा काम करने का मन बनेगा। झंझटों से दूर रहें। कानूनी अड़चन का सामना करना पड़ सकता है। फालतू खर्च होगा। व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा।

मकर : नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति संभव है। यात्रा लाभदायक रहेगी। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। कारोबारी बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें। आशंका-कुशंका रहेगी। पुराना रोग उभर सकता है। लापरवाही न करें।

कुंभ : फालतू खर्च पर नियंत्रण रखें। बजट बिगड़ेगा। कर्ज लेना पड़ सकता है। शारीरिक कष्ट से बाधा उत्पन्न होगी। लेन-देन में सावधानी रखें। अपरिचित व्यक्तियों पर अंधविश्वास न करें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

मीन : यात्रा लाभदायक रहेगी। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है, प्रयास करें। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। शेयर मार्केट से बड़ा लाभ हो सकता है। संचित कोष में

–ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

यूपी में आठ आईएएस अफसरों के तबादले

लखनऊ. यूपी में एक बार फिर प्रशासनिक फेरबदल हुआ है। यूपी सरकार ने आठ आईएएस अफ़सरों के दायित्व में बदलाव किया है। इसके साथ ही देवेश चतुर्वेदी को केंद्र के लिए कार्यमुक्त कर दिया गया है। उन्हें केंद्र में कृषि मंत्रालय में सचिव पद का दायित्व मिला है। मोनिका एस गर्ग को अपर मुख्य सचिव अल्पसंख्यक कल्याण के साथ कृषि उत्पादन आयुक्त का चार्ज दिया गया है। एम देवराज को प्रमुख सचिव प्राविधिक व व्यावसायिक शिक्षा से नियुक्ति एवं कार्मिक विभाग में तैनाती दी गई है। वीना कुमारी मीना से महिला कल्याण एवं बाल विकास का दायित्व हटाकर प्रमुख सचिव लीना ज़ौहरी को दिया गया है।उनके पास पूर्व के विभागों का दायित्व बना रहेगा। रवींद्र को प्रमुख सचिव पशुधन से प्रमुख सचिव कृषि बनाया गया है।

कन्नौज में सपा नेता गिरफ्तार

कन्नौज. अयोध्या के बाद अब कन्नौज में समाजवादी पार्टी का एक बड़ा नेता छेड़छाड़ मामले में गिरफ्तार हुआ है। पुलिस ने पूर्व ब्लॉक प्रमुख नवाब सिंह को एक नाबालिग के साथ छेड़छाड़ के मामले में रविवार देर रात हिरासत में ले लिया। जानकारी के मुताबिक, तिर्वा क्षेत्र की रहने वाली नाबालिग अपनी बुआ के साथ रविवार को सपा नेता के डिग्री कॉलेज में नौकरी मांगने के लिए गई थी। पीड़िता के अनुसार उसे मेडिकल कॉलेज में नौकरी के लिए बुलाया गया था। वहां कुछ देर के लिए बुआ के वहां से हटने पर सपा नेता ने नाबालिग से न केवल छेड़छाड़ की बल्कि उसके कपड़े उतारवा दिए। बुआ जब वापस लौटी तो विरोध किया और पुलिस को सूचना दी।

हाईवे पर इंजीनियरिंग छात्रा से चलती कार में रेप

आगरा. आगरा में नेशनल हाईवे पर दस अगस्त की रात कार में एक इंजीनियरिंग छात्र से दुराचार का मामला पुलिस तक पहुंचा है। पुलिस ने लखनऊ निवासी छात्रा की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया है। आरोपित कॉलेज का सीनियर है। कॉलेज से हाल ही में उसकी पढ़ाई पूरी हुई है। छात्रा ने पुलिस को बताया कि वह विवि के कैंपस से इंजीनियरिंग कर रही है। पिंड बलूची रेस्टोरेंट के मोड पर सीनियर ने उसे जबरन कार में खींच लिया। कार में बीच में पर्दा लगा था। ताकि चालक पीछे यह नहीं देख सके कि क्या हो रहा है। आरोपित ने उसके हाथ बांध दिए। उसके साथ दुराचार किया। उसकी जान को खतरा है।

पत्नी की मौत से आहत पति ने दी जान

बरेली. बरेली जिले में हैरान करने वाला मामला सामने आया है। बरेली के बारादरी थाना क्षेत्र में पत्नी की मौत के बाद अवसाद में आए व्यक्ति ने फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। पत्नी की मौत से दुखी पति उसकी जुदाई नहीं सह सका। इससे पहले उसने वीडियो बनाकर कहा कि वह सुमन के बिना नहीं रह सकता। उसकी और सुमन की अस्थियां एक साथ ही गंगा में विसर्जित कर देना। बारादरी के मोहल्ला संजयनगर में कबाड़ वाली गली में रहने वाले 42 वर्षीय मुरारी लाल उर्फ छन्नू यादव की पत्नी सुमन की जुलाई में मौत हो गई थी। इसके बाद से ही मुरारी अवसाद में रहने लगे। न तो वह किसी से बात करते थे और न ही खाने-पीने का ध्यान देते थे।

कांग्रेस शेयर बाजार खत्म करना चाहती है : भाजपा

- हिंडनबर्ग में अमेरिकी बिजनेसमैन जॉर्ज सोरोस का पैसा लगा
- कांग्रेस इनकी टूलकिट का हिस्सा

नई दिल्ली. भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने हिंडनबर्ग रिपोर्ट और कांग्रेस के आरोपों पर कहा कि देश की जनता ने कांग्रेस को नकार दिया है। इसलिए वह टूलकिट गिरोह के साथ मिलकर भारतीय शेयर बाजार को खत्म करना चाहती है। रविशंकर ने सोमवार (12 अगस्त) को कांग्रेस पर ये आरोप लगाए। उन्होंने कहा- हिंडनबर्ग के मेन इन्वेस्टर अमेरिकी बिजनेसमैन भारत विरोधी जॉर्ज सोरोस हैं। राहुल गांधी उनके एजेंट हैं। पीएम मोदी से नफरत करते-करते देश से नफरत करने लगे हैं।

भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि पिछले कुछ साल में

देखा जा रहा है जब संसद सत्र जारी होता है, उसी समय ऐसे आरोप आते हैं। पीएम पर डॉक्यूमेंट्री, हिंडनबर्ग रिपोर्ट उदाहरण हैं। साफ है कि विपक्ष के तार विदेशों से जुड़े हैं। दरअसल, हिंडनबर्ग रिपोर्ट में सेबी चेयरपर्सन पर लगे आरोपों के बाद राहुल गांधी ने पूछा था कि अगर निवेशकों को नुकसान होता है तो इसका जिम्मेदार कौन होगा। PM जेपीसी जांच से क्यों डरते हैं, यह अब पूरी तरह साफ हो गया है।

कौन हैं भारत विरोधी अमेरिकी बिजनेसमैन जॉर्ज सोरोस

जॉर्ज सोरोस का जन्म 12 अगस्त, 1930 को हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट में हुआ था। जॉर्ज पर दुनिया के कई देशों की राजनीति और समाज को प्रभावित करने का एजेंडा चलाने का आरोप हैं। सोरोस की संस्था 'ओपन सोसाइटी फाउंडेशन' ने 1999 में पहली बार भारत में एंट्री की।

2014 में इसने भारत में दवा, न्याय व्यवस्था को बेहतर बनाने और विकलांग लोगों को मदद करने वाली संस्थाओं को फंड देना शुरू किया। 2016 में भारत सरकार ने देश में इस संस्था के जरिए होने वाली फंडिंग पर रोक लगा दी।

अगस्त 2023 में जॉर्ज का म्यूनिख सिक्योरिटी काउंसिल में दिया बयान बेहद चर्चा में रहा। जब उन्होंने कहा था कि भारत लोकतांत्रिक देश है, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी लोकतांत्रिक नहीं हैं। उनके उनके तेजी से बड़ा नेता बनने की अहम वजह मुस्लिमों के साथ की गई हिंसा है।

सोरोस ने CAA, 370 पर भी विवादित बयान दिए

सोरोस ने भारत में नागरिकता संशोधन कानून यानी CAA और कश्मीर से आर्टिकल 370 हटाए जाने पर भी PM मोदी पर निशाना साधा था। सोरोस ने दोनों मौकों पर कहा था कि भारत हिंदू राष्ट्र बनने की तरफ बढ़ रहा है। दोनों ही मौकों पर उनके बयान बेहद तल्ख थे और वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला बोलते दिखाई दिए थे।

पाकिस्तान के सरेंडर को दिखाती मूर्ति को तोड़ा

- बांग्लादेश में जारी है बवाल

ढाका. बांग्लादेश की आजादी और 1971 के युद्ध में पाकिस्तान के सरेंडर को दिखाती प्रतिमा को तोड़ दिया गया। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने इस घटना की एक तस्वीर साझा की है। उन्होंने कहा, 'भारत विरोधी उपद्रवियों' ने प्रतिमा को तोड़ दिया। बीते सप्ताह से ही बांग्लादेश हिंसा की आग में जल रहा है। इस दौरान 400 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी हैं। थरूर ने लिखा, 'मुजीबनगर में 1971 शहीद मेमोरियल कॉम्प्लेक्स में भारत विरोधी उपद्रवियों ने प्रतिमाओं को तबाह कर दिया। इन्हें ऐसे देखने बेहद दुखद है। इससे पहले कई स्थानों पर भारतीय संस्कृति केंद्र, मंदिरों और हिंदुओं के घरों पर हमले भी हुए हैं। ये सब ऐसे समय पर भी हो रहा है, जब खबरें आ रही हैं कि कुछ मुस्लिम नागरिक अन्य अल्पसंख्यकों के घरों और पूजा स्थलों की रक्षा कर रहे हैं।' उन्होंने आगे लिखा, 'कुछ आंदोलनकारियों का एजेंडा एकदम साफ है। मोहम्मद यूनुस और उनकी अंतरिम सरकार के लिए जरूरी है कि हर धर्म के सभी बांग्लादेशियों के हितों के लिए कानून और व्यवस्था बहाल करने के लिए जरूरी कदम उठाए जाएं।

डॉक्टर रेप-मर्डर केस, 3 लाख डॉक्टर हड़ताल पर

ममता बोलीं- 18 अगस्त तक पुलिस केस सॉल्व नहीं कर पाई तो जांच CBI को सौंपेंगे

कोलकाता. कोलकाता के RG कर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में 8 अगस्त देर रात ट्रेनी डॉक्टर की अर्धनग्न लाश मिली थी। पुलिस के मुताबिक, रेप के बाद उसकी हत्या की गई। प्राइवेट पार्ट, आंखों और मुंह से खून बह रहा था। उसकी गर्दन की हड्डी भी टूटी हुई

पाई गई थी। घटना को लेकर आज देशभर के 3 लाख रेजिडेंट डॉक्टर हड़ताल पर हैं। AIIMS दिल्ली समेत देशभर के सभी सरकारी अस्पतालों में OPD सेवाएं प्रभावित हुई हैं। इमरजेंसी सेवाएं चालू रखी गई हैं। ऑल इंडिया रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (FORDA) के जनरल सेक्रेटरी डॉ. सर्वेश पांडे ने कहा- हेल्थ सेक्रेटरी से हमने घटना की CBI जांच कराने और डॉक्टर्स की सुरक्षा के लिए सेंट्रल प्रोटेक्शन एक्ट बनाने की मांग रखी है। जब तक लिखित आश्वासन नहीं मिलता, हड़ताल जारी रखेंगे। इस बीच, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सोमवार सुबह ट्रेनी डॉक्टर के घर पहुंचीं। यहां उन्होंने कहा- 18 अगस्त तक पुलिस केस सॉल्व नहीं कर पाई तो जांच CBI को सौंप देंगे।

मुसलमानों की भावनाओं का ध्यान रखें

- वक्फ बिल पर एकनाथ शिंदे सेना भी दे रही नसीहत

जालना. शिवसेना सांसद संदीपन भुमरे और महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ पार्टी के अन्य नेताओं ने वक्फ अधिनियम में कोई भी संशोधन करने से पहले आम सहमति बनाने और मुस्लिम समुदाय को विश्वास में लेने पर जोर दिया है। वक्फ बोर्डों को नियंत्रित करने वाले कानून में संशोधन से जुड़े विधेयक में वर्तमान अधिनियम में दूरगामी बदलावों का प्रस्ताव रखा गया है, जिसमें वक्फ निकायों में मुस्लिम महिलाओं और गैर-मुसलमानों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना भी शामिल है।

वक्फ (संशोधन) विधेयक में, वक्फ अधिनियम, 1995 का नाम बदलकर 'एकीकृत वक्फ प्रबंधन, सशक्तीकरण, दक्षता और विकास अधिनियम, 1995' करने का भी प्रावधान है। सरकार ने वक्फ बोर्ड को नियंत्रित करने वाले कानून में संशोधन से संबंधित विधेयक गुरुवार को लोकसभा में पेश किया था जिसे सत्तापक्ष एवं विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक एवं चर्चा के

बाद संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के पास भेजने का फैसला हुआ। सरकार का कहना था कि प्रस्तावित कानून का उद्देश्य मस्जिदों के कामकाज में हस्तक्षेप करना नहीं है, जबकि विपक्ष ने इसे मुसलमानों को निशाना बनाना और संविधान पर हमला बताया।

भुमरे ने महाराष्ट्र के जालना जिले में रविवार को एक सम्मान समारोह के दौरान कहा कि सरकार को वक्फ अधिनियम में किसी भी संशोधन से पहले आम सहमति बनाने और मुस्लिम समुदाय को विश्वास में लेने की आवश्यकता है। शिवसेना नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री अर्जुन खोतकर ने वक्फ अधिनियम में कोई भी बदलाव करने से पहले सावधानीपूर्वक विचार-विमर्श करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

500 रुपये में गैस सिलेंडर

हरियाणा सरकार ने दिया बड़ा तोहफा

चंडीगढ़. हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार को 'हर घर हर ग्रहणी योजना' पोर्टल लॉन्च कर दिया। इसके तहत राज्य में अब अंत्योदय परिवारों को 500 रुपये में गैस सिलेंडर दिया जाएगा। इस योजना के तहत हरियाणा के लगभग 50 लाख BPL परिवारों को 500 रुपये में गैस सिलेंडर उपलब्ध कराए जाएंगे। 500 रुपये से अधिक की कोई भी राशि सरकार की ओर से DBT के जरिए सब्सिडी के रूप में हर महीने लाभार्थी के खाते में डाली जाएगी। सीएम सैनी ने कहा, 'इस योजना के तहत हरियाणा सरकार गृहणियों को लाभ पहुंचाने के लिए सालाना 1500 करोड़ रुपये खर्च करेगी।

बता दें कि नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में बीते दिनों मंत्रिमंडल की बैठक हुई थी। इस दौरान प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (PMUY) के तहत पंजीकृत गरीबी रेखा से नीचे (BPL) परिवारों के लिए बड़ा फैसला लिया गया। यह तया हुआ कि उन्हें 500 रुपये प्रति सिलेंडर (14.2 किलोग्राम घरेलू सिलेंडर) की दर से प्रति वर्ष 12 सिलेंडर दिया जाएगा।

क्या चाइल्ड पोर्न देखना अपराध!

- SC में फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार (12 अगस्त) को चाइल्ड पोर्नोग्राफी से जुड़े एक मामले में सुनवाई की। लाइव लॉ के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट में केरल हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी गई थी जिसमें कहा गया था कि फोन में बच्चों से जुड़े पोर्न वीडियो को डाउनलोड करना अपराध नहीं होगा।

केरल हाईकोर्ट ने 13 सितंबर 2023 को एक मामले की सुनवाई करते हुए कहा था कि अगर कोई व्यक्ति निजी तौर पर अश्लील फोटो या वीडियो देख रहा है तो यह अपराध नहीं है, लेकिन अगर दूसरे को दिखा रहा है तो यह गैरकानूनी होगा। दरअसल पहले केरल हाईकोर्ट और फिर उसी के आधार पर मद्रास हाईकोर्ट में एक आरोपी के दोष मुक्त हो जाने पर एक NGO ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल इस पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। केरल हाईकोर्ट के जस्टिस पीवी कुन्हीकृष्णन की बेंच ने यह फैसला दिया था। जस्टिस कुन्हीकृष्णन ने कहा था, पोर्नोग्राफी सदियों से प्रचलित है। आज डिजिटल युग में इस तक आसानी से पहुंच हो गई। बच्चों और बड़ों की उंगलियों पर ये मौजूद है।

सिद्धेश्वरनाथ मंदिर में भगदड़, 7 की मौत

- चश्मदीद बोला- दुकानदार-श्रद्धालुओं में मारपीट हुई
- मृतक के परिजन बोले- वॉलंटियर्स ने लाठीचार्ज किया

पटना. सावन के चौथे सोमवार को बिहार के जहानाबाद में श्रावणी मेले के दौरान सिद्धेश्वरनाथ मंदिर में भगदड़ मच गई। इसमें 7 कांवड़ियों की दबने से मौत हो गई। हादसे में 12 से ज्यादा लोग घायल हैं। घटना रविवार की देर रात करीब 12 बजे की है।

हादसे की दो वजह सामने आई हैं। पहली- प्रत्यक्षदर्शी मनोज ने बताया, 'मंदिर के पास फूल बेच रहे दुकानदारों का लोगों से झगड़ा हुआ था। इसके बाद ही अफरा-तफरी मची। लोग एक-दूसरे पर चढ़कर आगे बढ़ने लगे। मैं भी लाश के नीचे दबा हुआ था, लोगों ने मुझे खींचकर बाहर निकाला। 1-2 मिनट और रहता तो मेरी भी मौत हो जाती।'

दूसरी- मृतकों के परिजन का आरोप है कि घटना का कारण लाठीचार्ज है। बराबर पहाड़ी पर श्रद्धालु एक तरफ से उतर और दूसरी तरफ से चढ़ रहे थे। आपा-धापी मचने पर व्यवस्था में लगे वॉलंटियर्स लाठी भांजने लगे। इससे भगदड़ मची, जान बचाने की कोशिश में श्रद्धालु भागने लगे और दब गए।

मृतक के परिजन कृष्ण कुमार का कहना है, 'इस घटना में करीब 50 लोगों की मौत हुई है। दर्शन करने वाले भक्त ऐसा बता रहे हैं। 2 बजे रात से लोग अस्पताल में हैं। प्रशासन ने सही व्यवस्था नहीं की है। प्रशासन की गाड़ी भी होती तो लोगों की जान बच सकती थी। लापरवाही हुई है। एक एंबुलेंस से 4-4 शवों को भेजा जा रहा है। कुछ लाशों को तो हटा दिया जा रहा है।'

यूपी में बिजली चोरों की अब खैर नहीं

उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा का दावा है कि पश्चिमांचल में हर महीने करीब 107 करोड़ की बिजली चोरी हो रही है। अब ऊर्जा मंत्री के बिजली चोरी रोकने के निर्देशों के बाद एक बार फिर पश्चिमांचल पर बिजली चोरों पर बड़ी कार्रवाई की तैयारी कर ली। पीवीवीवीएनएल अफसरों ने पश्चिमांचल के प्रत्येक डिवीजन में तीन-तीन हाईलॉस फीडरों को चिह्नित किया है। मेरठ में इन चिह्नित फीडरों में सर्वाधिक फीडर 50 फीसदी से भी ज्यादा लाइन लॉस वाले शामिल किए गए है।

वजन का मैनेजमेंट खिलाड़ी-कोच की जिम्मेदारी : पीटी उषा

- मेडिकल टीम दोषी नहीं
- 100 ग्राम ओवरवेट की वजह से विनेश डिस्क्वालिफाई हुई

भारतीय ओलिंपिक संघ (IOA) की अध्यक्ष पीटी उषा ने विनेश फोगाट ओवरवेट मामले में रविवार को बयान दिया। उन्होंने कहा, 'वजन का मैनेजमेंट करने की जिम्मेदारी खिलाड़ी और उसके कोच की होती है। इसके लिए मेडिकल टीम को दोषी ठहराना ठीक नहीं है। खासकर कुश्ती, वेटलिफ्टिंग, मुक्केबाजी और जूडो जैसे खेलों में।'

पीटी उषा ने आगे कहा, 'IOA मेडिकल टीम, खास तौर पर डॉ. पारदीवाला के प्रति जो नफरत भरी टिप्पणियां की जा रही हैं, वह अस्वीकार्य है और इसकी निंदा की जानी चाहिए।' उन्होंने उम्मीद जताई कि IOA मेडिकल टीम पर आरोप लगाने वाले लोग किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले सभी तथ्यों पर विचार करेंगे।

IOA द्वारा नियुक्त चीफ मेडकिल ऑफसिर डॉ. दिनशॉ पारदीवाला और उनकी टीम मुख्य रूप से एथलीटों के इवेंट दौरान और बाद में उनकी रिकवरी और इंजरी मैनेजमेंट में सहायता कर रही थी। इस टीम को उन एथलीटों की सहायता के लिए भी बनाया गया था, जिनके पास न्यूट्रिशनिस्ट और फिजियोथेरेपिस्ट की अपनी टीम नहीं थी।

विनेश को अयोग्य घोषित कर दिया गया था 50 किलोग्राम वर्ग कुश्ती के फाइनल मैच से पहले विनेश को 100 ग्राम ज्यादा वजन होने के चलते अयोग्य घोषित कर दिया गया था, जबकि शुरुआती दौर से पहले किए गए वजन में विनेश 50 kg वेट कैटेगरी की तय सीमा से कम थीं। ऐसे में विनेश ने जॉइंट सिल्वर मेडल की मांग की है। इस मामले में IOA द्वारा नियुक्त मेडिकल टीम पर भी सवाल उठ रहे थे।

CAS कोर्ट आज फैसला सुनाएगा

विनेश फोगाट के सिल्वर मेडल पर फैसला अब 13 अगस्त को आएगा। यह जानकारी शनिवार को कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट्स (CAS) ने दी थी। शुरुआती जानकारी में 11 अगस्त को फैसला सुनाने की बात सामने आई थी, लेकिन इसे अब फिर 13 अगस्त तक के लिए टाल दिया गया। 9 अगस्त को CAS ने 3 घंटे तक इस मामले की सुनवाई की थी। इस दौरान विनेश भी वर्चुअली मौजूद रहीं। भारतीय ओलिंपिक संघ (IOA) की ओर से सीनियर वकील हरीश साल्वे ने विनेश का पक्ष रखा।

शंभू बॉर्डर की एक लेन खोलें

- सुप्रीम कोर्ट का आदेश
- एंबुलेंस, बुजुर्गों महिलाओं-छात्रों को परेशानी हो रही
- किसान बोले-15 अगस्त को ट्रैक्टर मार्च निकालेंगे

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने करीब 6 महीने से बंद पंजाब-हरियाणा के बीच शंभू बॉर्डर को आंशिक तौर पर खोलने के आदेश दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कड़ी टिप्पणी की कि हाईवेज पार्किंग की जगह नहीं हैं। सुप्रीम कोर्ट ने एक हफ्ते के भीतर एंबुलेंस, सीनियर सिटीजंस, महिलाओं, छात्रों, आदि के लिए हाईवे की एक लेन खोलने का आदेश दिया।

इसके लिए पंजाब और हरियाणा के DGP के अलावा पटियाला, मोहाली और अंबाला के SP को मीटिंग कर इस पर फैसला लेने को कहा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि केस की सुनवाई 22 अगस्त को होगी। हालांकि, कोर्ट ने कहा कि अगर पंजाब और हरियाणा के पुलिस अधिकारियों के बीच सहमति बन जाती है तो फिर सुनवाई की तारीख का इंतजार करने की जरूरत नहीं है।

बता दें कि पहले पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट ने शंभू बॉर्डर खोलने को कहा था। इसके खिलाफ हरियाणा सरकार सुप्रीम कोर्ट चली गई।

इसके अलावा पंजाब और हरियाणा की सरकार ने आंदोलन कर रहे किसानों से बातचीत के लिए निष्पक्ष कमेटी के सदस्यों के नाम दे दिए हैं। इस कमेटी के सदस्य किसानों और केंद्र सरकार के बीच मध्यस्थ का काम करेंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि अगर हम आप दोनों को नाम देने के लिए राजी करने में सफल रहे हैं, अब जब स्थिति ऐसी है तो आप किसानों को क्यों नहीं राजी करते? क्योंकि हाईवे पार्किंग (जगह) नहीं है। अदालत ने कहा कि भले ही चरणबद्ध तरीके से यातायात की अनुमति दी जाए, लेकिन जो वाहन सड़क पर चलने लायक हैं... लोगों को बहुत असुविधा हो रही है। इस वार्ता में समय लगेगा।

वहीं किसानों ने ऐलान किया है कि 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर वह पूरे देश में ट्रैक्टर मार्च निकालेंगे। किसान नेताओं का कहना है कि किसान मजदूर मोर्चा और संयुक्त किसान मोर्चा (गैर राजनीतिक) के आह्वान पर MSP गारंटी कानून बना आर्थिक आजादी के लिए यह मार्च निकाले जाएंगे।

वस्तु एवं सेवा कर विभाग
राज्यकर उपआयुक्त कार्यालय तथा संयुक्त चिट प्रबंधक,
मुंबई, ठाणे और रायगढ़, इ- ००६
केबीन, C-1, तलमंजिल, पुराना भवन,
माल और सेवा कर भवन, मझगाँव, मुंबई 400010
दूरभाष संख्या 022-23760 903 Email - sonawane.sd@mahagst.gov.in

सूचना

व्ही जी एन चिट अँड फायनेंस प्रा.लिमिटेड पंजीकृत चिट व्यवसाय का पत्ता: गुरुमिलन को-ऑपरेटीव हाउसिंग लिमिटेड, तिलक नगर, डाकघर के सामने, डोंबिवली पूर्व, ठाणे महाराष्ट्र 421201 और नीलामी के लिए पत्ता आर मॉल, दूसरी मंजिल, एलबीएस मार्ग, मुलुंड चेक नेक के पास, मुंबई पश्चिम, मुंबई 400080. चिट ग्राहक मुलुंड, डोंबिवली, कल्याण और उल्हासनगर शाखा में निवेश किया है, उन्हे सूचित किया जाता है कि Maharashtra Protection of interest of Depositors Act, 1999 (MPID) के तहत VGN Jewellers और VGN Jewellery Pvt. Ltd. इन के कंपनीयों खिलाफ पुलिस कार्रवाई की गई है । चिटफंड का कारोबार अनियमित हो गया है। कार्यकारी निदेशक द्वारा संचालित चिटफंड कंपनी फिलहाल बंद है। कार्यालय को चिट ग्राहकों से शिकायतें प्राप्त हुई हैं । तदनुसार केवल निम्नलिचित चिट फंड समूह इस कार्यालय में पंजीकृत हैं ।

Sr. No.	Group Number	RCT/RCB	RCT/RCB NO	YEAR	Security AMT
1	EM 51	RCT	23	2017	500000
2	EM 52	RCT	24	2017	500000
3	EM 53	RCT	28	2017	500000
4	EM 54	RCT	30	2017	500000
5	EM 55	RCT	32	2017	500000
6	EM 56	RCT	43	2017	500000
7	EM 57	RCT	47	2017	500000
8	EM 58	RCT	51	2017	500000
9	EM 59	RCT	53	2017	500000
10	EM 60	RCT	61	2017	500000
11	EM 61	RCT	65	2017	500000
12	EM 62	RCT	72	2017	500000
13	EM 63	RCT	1	2018	500000
14	EM 64	RCT	2	2018	500000
15	EM 65	RCT	9	2018	500000
16	EM 66	RCT	12	2018	500000
17	EM 67	RCT	20	2018	500000
18	EM 68	RCT	23	2018	500000
19	EM 69	RCT	31	2018	500000
20	EM 70	RCB	57	2018	500000
21	EM 71	RCB	93	2018	500000
22	EM 72	RCB	103	2018	500000
23	EM 73	RCB	104	2018	500000
24	EM 74	RCB	136	2018	500000
25	EM 75	RCB	145	2018	500000
26	EM 76	RCB	186	2018	500000
27	EM 77	RCB	194	2018	500000
28	EM 78	RCB	236	2018	500000
29	EM 79	RCB	238	2018	500000
30	EM 80	RCB	252	2018	500000
31	EM 81	RCB	260	2018	500000
32	EM 82	RCB	19	2019	500000
33	EM 83	RCB	20	2019	500000
34	EM 84	RCB	73	2019	500000
35	EM 85	RCB	76	2019	500000
36	EM 86	RCB	124	2019	500000
37	EM 87	RCB	128	2019	500000
38	EM 88	RCB	139	2019	500000
39	EM 89	RCB	168	2019	500000
40	EM 90	RCB	218	2019	500000
41	EM 91	RCB	226	2019	500000
42	EM 92	RCB	247	2019	500000
43	EM 93	RCB	286	2019	500000
44	EM 94	RCB	348	2019/2020	500000
45	MI 05	RCB	335	2019/2020	100000
46	MI 06	RCB	336	2019/2020	100000
47	MI 07	RCB	337	2019/2020	100000
48	MI 08	RCB	338	2019/2020	100000
49	MI 09	RCB	339	2019/2020	100000
50	MI 10	RCB	340	2019/2020	100000
51	MI 11	RCB	359	2019/2020	100000
52	MI 12	RCB	360	2019/2020	100000
53	MI 13	RCB	361	2019/2020	100000
54	MK 02	RCB	334	2019/2020	500000
55	MK 03	RCB	333	2019/2020	500000
56	MK 04	RCB	370	2019/2020	500000
57	MP 01	RCB	362	2019/2020	1000000
58	PM 23	RCT	25	2017	1000000
59	PM 24	RCT	44	2017	1000000
60	PM 25	RCT	48	2017	1000000
61	PM 26	RCT	63	2017	1000000
62	PM 27	RCT	75	2017	1000000
63	PM 28	RCT	3	2018	1000000
64	PM 29	RCT	13	2018	1000000
65	PM 30	RCT	24	2018	1000000
66	PM 31	RCB	56	2018	1000000
67	PM 32	RCB	92	2018	1000000
68	PM 33	RCB	137	2018	1000000
69	PM 34	RCB	146	2018	1000000
70	PM 35	RCB	187	2018	1000000
71	PM 36	RCB	237	2018	1000000
72	PM 37	RCB	259	2018	1000000
73	PM 38	RCB	18	2019	1000000
74	PM 39	RCB	72	2019	1000000
75	PM 40	RCB	125	2019	1000000
76	PM 41	RCB	140	2019	1000000
77	PM 42	RCB	181	2019	1000000
78	PM 44	RCB	227	2019	1000000
79	PM 43	RCB	219	2019	1000000
80	PM 45	RCB	307	2019/2020	1000000
81	VVIP 01	RCT	66	2017	5000000
82	VVIP 02	RCT	67	2017	5000000
83	VVIP 03	RCT	19	2018	5000000
84	VVIP 04	RCB	138	2018	5000000
85	VVIP 05	RCB	170	2018	5000000
86	VVIP 06	RCB	21	2019	5000000
87	VVIP 07	RCB	123	2019	5000000
88	VVIP 08	RCB	248	2019	5000000

इस नोटीस के माध्यम से सूचित किया जाता है कि व्ही जी एन चिट अँड फायनेंस प्रा. लिमिटेड शाखाए मुलुंड, डोंबिवली, कल्याण और उल्हासनगर में उपरोक्त अधिकृत चिट फंड समूह के चिट ग्राहक हैं । साथ ही जिन चिट ग्राहकों को उक्त कंपनी से अभी तक भुगतान प्राप्त नहीं हुआ है। ऐसे चिट ग्राहकों को उक्त नोटिस के प्रकाशन की तिथी से 15 दिनों के भीतर उपरोक्त कार्यालय से संपर्क करे या अपनी शिकायत दायर करे । उसके बाद किसी चिट ग्राहकों की शिकायत नहीं, ऐसा समझकर आगे की कार्रवाई की जाएगी । ऐसे चिट ग्राहकों की इसके बाद आने वाली शिकायतों या आपत्तियों पर विचार नहीं किया जाएगा ।

स्थान : मुंबई
दिनांक : 26/07/2024

सही/ -
शरद दादाजी सोनावणे
राज्यकर उपायुक्त तथा संयुक्त चिट प्रबंधक
मुंबई, ठाणे और रायगढ़

संक्षेप...

नवी मुंबई में 25 वर्षीय महिला के साथ बलात्कार

नवी मुंबई. नवी मुंबई में एक 25 वर्षीय महिला के साथ बलात्कार की वारदात सामने आई है. इस मामले में पीड़िता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ आईपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया है. पुलिस इस मामले की जांच के साथ ही आरोपियों की तलाश कर रही है.

पीड़िता ने शिकायत में कहा है कि आरोपियों में से एक ने 15 जनवरी, 2021 को नागपुर में उसके साथ बलात्कार किया. इसके बाद 27 जनवरी को अपने दोस्त के साथ मिलकर उसे मारापीटा और शारीरिक शोषण किया. आरोपी ने उसे कई बार अपनी हवस का शिकार बनाया. खांदेश्वर थाने के एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि पीड़ित महिला की शिकायत के आधार पर रविवार को आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है. पीड़िता ने अभी तक यह नहीं बताया है कि उसने तीन साल बाद इतनी देरी से शिकायत क्यों की है.

महाराष्ट्र में देवेंद्र फडणवीस की अगुआई में चुनाव लड़ेगी महायुति

सीट बंटवारे पर भी करेंगे फैसला

मुंबई. भारतीय जनता पार्टी (BJP) के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस राज्य में साल के आखिर में प्रस्तावित विधानसभा चुनावों के लिए सहयोगियों के साथ सीट बंटवारे के मुद्दे पर फैसला लेंगे। भाजपा की मुंबई इकाई के प्रमुख आशीष शेलार ने रविवार को संवाददाताओं से कहा कि इस कदम का उद्देश्य अगले कुछ महीनों में होने वाले विधानसभा चुनावों की तैयारियों को सुव्यवस्थित करना तथा अवांछित देरी से बचना है।

शेलार ने कहा, 'मुंबई में (प्रदेश इकाई की) कोर समिति की बैठक में सीट-बंटवारे और विधानसभा क्षेत्रों के चयन से संबंधित सभी फैसले लेने की शक्तियां फडणवीस को सौंपने का निर्णय किया गया।' बैठक में पार्टी पर्यवेक्षक एवं केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव, भाजपा के राष्ट्रीय सचिव विनोद तावड़े और केंद्रीय मंत्री एवं मुंबई उत्तर से सांसद पीयूष गोयल भी शामिल हुए।

महाराष्ट्र में 2019 में हुए विधानसभा चुनावों में भाजपा ने राज्य की 288 सीटों में से 104 पर जीत दर्ज की थी। शेलार ने पुष्टि की कि 'सहयोगियों के साथ विधानसभा चुनावों की रणनीति और सीट-बंटवारा समझौते के अलावा जीत के फॉर्मूले को अंतिम रूप दिया जा चुका है। उन्होंने कहा, "फडणवीस को इस संबंध में पूर्ण शक्तियां दी गई हैं।"

हाल में संपन्न लोकसभा चुनावों में महाराष्ट्र में भाजपा नीत महायुति गठबंधन को राज्य की 48 संसदीय सीटों में से महज 17 पर जीत हासिल हुई थी। इन चुनावों में भाजपा की सीटों की संख्या घटकर नौ हो गई जो पांच साल पहले 23 थी। महायुति गठबंधन में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और अजित पवार नीत राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) गुट भी शामिल हैं।

वहीं, महा विकास आघाडी (एमवीए) ने लोकसभा चुनावों में महाराष्ट्र की 30 सीटों पर कब्जा किया था। एमवीए में कांग्रेस, शिवसेना (UBT) और NCT (शरदचंद्र पवार) शामिल हैं। शेलार ने कहा, 'हमने उम्मीदवारों के नामों को अंतिम रूप देने के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) के सभी घटक दलों के साथ चर्चा करने, रणनीति बनाने और निर्णय लेने की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करके समय बचाने का फैसला किया है। एक बार यह काम हो जाए, तो हम विधानसभा चुनाव की तैयारी शुरू कर सकते हैं। उम्मीदवारों की सूची उचित समय पर जारी की जाएगी।'

लोकसभा चुनावों में भाजपा की सीटों का आंकड़ा घटकर 9 हो जाने के बाद फडणवीस ने उपमुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने और विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी पर ध्यान केंद्रित करने की पेशकश की थी। हालांकि, भाजपा की एक बैठक में पार्टी विधायकों ने उनपर भरोसा जताते हुए एक प्रस्ताव पारित किया था, जिसके बाद फडणवीस ने कहा था कि वह उपमुख्यमंत्री पद पर बरकरार रहेंगे।

संजय राऊत के सुपारी बाज वाले बयान का मुस्लिम समुदाय ने किया विरोध

ठाणे. उद्धव ठाकरे पार्टी के नेता संजय राउत के सुपारी बाज वाले बयान बाजी पर कोपरी-पाचपखाडी विधान सभा क्षेत्र के मुस्लिम समुदाय के लोगों ने मीडिया के सामने विरोध जताया।ठाणे हजुरी व मुंबई से मुस्लिम समुदाय के लोग वक्फ बोर्ड के विषय पर उद्धव ठाकरे निवास स्थान मातोश्री पर बड़ी संख्या में एकत्रित होकर नारे बाजी किया था।इस विषय पर ठाणे के मुस्लिम समुदाय के नारे बाजी करने वाले लोगों का फोटो मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के साथ का दिखाकर सुपारी बाज का आरोप लगाया था।इस विषय को लेकर ठाणे हजुरी के हाजी इलियास ने कहा कि भाजपा का वक्फ बोर्ड का बिल मुस्लिम समुदाय के लिए जले पर नमक छिड़कना है।उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के लोगों ने पूरे हिंदुस्तान में वक्फ बोर्ड की जमीन पर कब्जा किया है उसको मुस्लिम समाज के हवाले कर दे।इस विषय पर इंडिया गठबंधन और महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे के सांसदों को बिल का विरोध करना चाहिए था लेकिन उद्धव सेना के सभी सांसद संसद से वाक ऑउट हो गए।इस विषय पर उद्धव ठाकरे गंभीरता से नही लिये तो आने वाले विधान सभा चुनाव में महंगा पड़ सकता है।वहीं अफराक सिद्दिकी ने संजय राउत के फोटो दिखाने पर वह भी फोटो उद्धव ठाकरे व राजन विचारे के साथ वाले फोटो को मीडिया को दिखाया।लेकिन संजय राऊत का यह बयान बाजी गलत है। हमारे समाज के लोगों को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के सुपारी बाज का आरोप लगाया है वह गलत है। लोकसभा चुनाव में मुस्लिम समाज के लोग जमकर मतदान किया था।लेकिन इस विषय पर उद्धव ठाकरे ने खुलकर सामने नही आये तो आने वाले विधान सभा में मुस्लिम समाज शिंदे सेना के साथ होगा।स्थानीय रहिवासी शाहरुक चौधरी ने मतदान यादी दिखाते हुए कहा कि मुस्लिम समाज के लोगों ने लोकसभा चुनाव में भाजपा के विरोध में मतदान किया है इसका गवाह यह मतदान की यादी है।संविधान ने हमको मतदान करने के लिए अधिकार दिया है तो सवाल करने के लिए भी हमारा अधिकार है।लोकसभा में उद्धव ठाकरे पार्टी के सांसदों को वक्फ बोर्ड के विषय पर विरोध करना चाहिए था नकी वाक ऑउट कर निकल पड़े।हमारे समाज के लोगों ने लोकसभा चुनाव में जमकर मतदान किया है तो आने वाले विधानसभा चुनाव में भी कहा मतदान करना है इसका जबाब देगें।

भिवंडी में अबू आसिम आज़मी ने किया सपा के 2 नए कार्यालयों का उद्घाटन

सपा भिवंडी शहर की दोनों सीटों पर लड़ेगी चुनाव -अबू आसिम आजमी

भिवंडी. समाजवादी पार्टी के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष व विधायक अबू आसिम आजमी के हाथों सपा के दो नए कार्यालय का उद्घाटन किया गया. उक्त अवसर पर बड़ी संख्या में पार्टी के पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे. कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए सपा प्रदेश अध्यक्ष विधायक अबू आसिम आजमी ने कार्यकर्ताओं का जोश बढ़ाते हुए कहा कि, भिवंडी शहर की पूर्व और पश्चिम की दोनों सीटों विधानसभा सीटों पर समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार चुनाव लड़ेंगे. उन्होंने भिवंडी पश्चिम विधानसभा सीट से पार्टी के प्रदेश सचिव रियाज आजमी को अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया.

भिवंडी शहर से सटे खाड़ीपार और इस्लामपुरा इलाके में समाजवादी पार्टी के दो नए कार्यालयों का उद्घाटन प्रदेश अध्यक्ष विधायक अबू आसिम आजमी के हाथों किया गया. उक्त अवसर पर महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष विधायक अबू आसिम अज़मी ने सपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए शहर के पर्यवेक्षक और महाराष्ट्र प्रदेश सपा सचिव रियाज़ आज़मी द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों की जमकर प्रशंसा की.उन्होंने कहा कि, आगामी विधानसभा चुनाव में भिवंडी की दोनों विधानसभा सीटों पर सपा जीत दर्ज करेगी.आजमी ने कार्यकर्ताओं से आगामी चुनाव में रियाज़ आज़मी को पश्चिम विधानसभा सीट से सफल बनाने की अपील की.आजमी ने कहा कि समाजवादी पार्टी के कार्यों को देखकर जनता काफी खुश है. एक नए चेहरे के रूप में रियाज़ आज़मी को समर्थन देना चाहती है.यह कार्यक्रम समाजवादी पार्टी की बढ़ती लोकप्रियता और जनहित के कार्यों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा.रियाज़ से जनता को एक नई दिशा और उम्मीदें मिल रही हैं. क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि, पिछले 2 सालों में रियाज आजमी ने सपा के 4 कार्यालयों को खोलकर इसके माध्यम से भारी संख्या में लोगों को शासन की योजनाओं से जोड़कर लाभ दिलाने का कार्य किया है. भिवंडी पश्चिम विधानसभा सीट से रियाज आजमी को उम्मीदवारी देने से सपा कार्यकर्ताओं में भारी जोश एवम उत्साह देखा जा रहा है. अधिसंख्यक लोगों का कहना है कि, सपा तेजतर्रार, युवा नेता रियाज आजमी को जनता का अभूतपूर्व जनसमर्थन मिल रहा है. विधानसभा चुनाव में अन्य राजनैतिक दलों के उम्मीदवारों को कड़ी टक्कर देने में जरूर कामयाब होंगे.

स्थायी पुल निर्माण के लिए 60 लाख की मंजूरी

कल्याण. मुरबाड तालुका में फंगुलगव्हान ग्राम पंचायत के निवासियों द्वारा संसाधनों को एकत्रित करके अपने क्षेत्र में उफनती धारा पर एक अस्थायी पुल बनाने की रिपोर्ट के एक सप्ताह से भी कम समय के बाद, ठाणे की जिला योजना समिति ने स्थायी निर्माण के लिए ₹60 लाख के बजट को मंजूरी दे दी। जिला कलेक्टर अशोक शिंगारे ने संरक्षक मंत्री शंभूराज देसाई और अन्य निर्वाचित प्रतिनिधियों के साथ परामर्श किया। उन्होंने तीन दिनों के भीतर तकनीकी और प्रशासनिक मंजूरी प्राप्त की और पुल के लिए 60 लाख का बजट सुरक्षित किया, "जिला जनसंपर्क अधिकारी ने बताया। 8 अगस्त को जिला योजना समिति द्वारा मंजूरी दी गई.

एसएसटी कॉलेज के छात्रों द्वारा निर्मित

शॉर्ट फिल्म 'रन फॉर वॉटर' को अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार

उल्हासनगर. दिन-ब-दिन गहराते जल संकट को देखते हुए एसएसटी कॉलेज के छात्रों ने 'एम्पिरिकल फाउंडेशन' के सहयोग से भविष्य में होने वाली जल संकट पर टिप्पणी करने के उद्देश्य से 'रन फॉर वॉटर' नामक एक शॉर्ट फिल्म बनाने की पहल कर समाज को पानी बचाने का बहुमूल्य संदेश दिया।

इस शॉर्ट फिल्म ने रूट्स इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में बेस्ट फिल्म, बेस्ट आयकॉनिक फिल्म ऑफ द इयर बेस्ट डायरेक्शन का किताब हासिल किया साथही एमडेर इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में बेस्ट डायरेक्टर बेस्ट कॉन्सेप्ट ओर बेस्ट स्क्रीन प्ले का पुरस्कार जीता और श्रीलंका इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में बेस्ट डायरेक्शन,बेस्ट स्टोरी तथा बेस्ट स्क्रीन प्ले का पुरस्कार जीता। साथ ही इस शॉर्ट फिल्म को संभाजीनगर में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के लिए भी चुना गया।

इस शॉर्ट फिल्म का डायरेक्शन चेतन दिवे द्वारा किया गया था और अभिनय योगेश ठाकुर, दीक्षा सीतापुरे और समिष्का सोनवाने ने किया। इस के लिए महाविद्यालयात के प्रो.सुदर्शन पाटिल ने मूल्यवान मार्गदर्शक किया। इस सफलता के लिए कॉलेज प्रबंधन, प्राचार्य, शिक्षकों, अन्य कर्मचारियों और छात्रों ने बधाई दी।

कंस्ट्रक्शन साइट पर खड़ा था व्यक्ति, सिर पर गिरी ईंटें, मौत

अंबरनाथ. अंबरनाथ में एक कंस्ट्रक्शन साइट पर सीमेंट की ईंटें गिरने से 48 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई. इस बात की जानकारी पुलिस ने सोमवार को एक न्यूज एजेंसी को दी. जिसके अनुसार घटना शनिवार को अंबरनाथ इलाके में तब हुई, जब पीड़ित वसंत कुशाभा साठे ट्रक में सीमेंट की ईंटें पहुंचाने के लिए एक बिजनेस पार्क के कंस्ट्रक्शन साइट पर गया था. अंबरनाथ पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि व्यक्ति ट्रक से ईंटें उतारने के लिए खड़ा था, इसी दौरान कंस्ट्रक्शन साइट पर लगी लिफ्ट से कुछ ईंटें उसके सिर पर गिर गईं. जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया. जिसके बाद वहां मौजूद कुछ लोगों ने व्यक्ति को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया.

मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर संजय पांडे का ऐलान

वर्सोवा सीट से ही लड़ूंगा चुनाव

पार्टी पर अभी भी सस्पेंस

मुंबई. मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर संजय पांडे विधानसभा चुनाव के मैदान में उतर रहे हैं। उन्होंने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया है। सोशल मीडिया ऐप फेसबुक पर फोटो पोस्ट कर पांडे ने चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी है। दिलचस्प बात यह है कि उन्होंने अपने निर्वाचन क्षेत्र की घोषणा तो कर दी है, लेकिन पार्टी के बारे में उन्होंने अभी भी चुप्पी साधी हुई है। अवैध फोन टैपिंग मामले से चर्चा में आए संजय पांडे के अगले कदम पर सबकी निगाहें हैं।

मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर संजय पांडे ने घोषणा की है कि वह आगामी विधानसभा चुनाव में मुंबई के वर्सोवा विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने खुद अपनी उम्मीदवारी का ऐलान किया है। संजय पांडे ने साफ किया कि कोई भी पार्टी उनके साथ नहीं है। रविवार को वर्सोवा इलाके के झूलेलाल मंदिर में 'नारियल' चढाकर उन्होंने चुनाव प्रचार शुरू कर दिया।

फेसबुक पर संजय पांडे ने लिखा, ₹आज मैंने वर्सोवा के झूलेलाल मंदिर से वर्सोवा विधानसभा क्षेत्र से प्रचार शुरू कर दिया है। कोई पार्टी नहीं है, लेकिन हम कोशिश करेंगे।₹

फोन टैपिंग मामले में हुई थी गिरफ्तारी

संजय पांडे कई बार विवादों में रह चुके हैं। सितंबर 2022 में उन्हें नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के कर्मचारियों से जुड़े फोन टैपिंग मामले में गिरफ्तार किया गया था। बाद में उन्हें दिल्ली हाई कोर्ट से जमानत मिल गई थी। वह 1986 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। उन्होंने आईआईटी कानपुर से पढ़ाई की है। संजय पांडे पर पुलिस महानिदेशक रहते हुए परमबीर सिंह पर अनिल देशमुख के खिलाफ आरोप वापस लेने का दबाव बनाने का भी आरोप लगा था।

43 साल की श्वेता तिवारी की अभिनेत्री रेखा से तुलना

टीवी एक्ट्रेस श्वेता तिवारी आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। श्वेता ने टीवी शो कसौटी जिंदगी में अपने प्रेरणा के किरदार से घर-घर में एक खास पहचान बनाई है। टीवी शोज के अलावा श्वेता बॉलीवुड और भोजपुरी सिनेमा में भी काम कर चुकी हैं। वो हमेशा ही किसी न किसी वजह से सुर्खियों में बनी रहती हैं। एक्टिंग के साथ श्वेता सोशल मीडिया पर भी खूब एक्टिव रहती हैं। श्वेता अपने लुक और पर्सनैलिटी को लेकर भी खूब सुर्खियां बटोरती हैं। 43 साल की उम्र में जिस तरह से श्वेता ने खुद को फिट रखा हैं वो किसी 19-20 साल की लड़की से कम नहीं लगती हैं। लोग श्वेता को उनकी बेटी तक से कम्पेयर करते हैं। ऐसे में अब फैंस श्वेता की तुलना बॉलीवुड एक्ट्रेस रेखा से करने लगे हैं। आइए जानते हैं इस पर एक्ट्रेस ने क्या जवाब दिया...

श्वेता तिवारी ने 10 अगस्त को 'आपका अपना जाकिर' शो के दौरान प्रमोशनल इंटरव्यू में 'फिल्मीज्ञान' से बात की। इस दौरान रिपोर्टर ने श्वेता को एक फैन के कमेंट के बारे में बताया, जिसमें लिखा था, 'ये दूसरी रेखा जी हैं, जिनके लिए उम्र सिर्फ एक नंबर है।' इस पर श्वेता ने काफी मजेदार जवाब दिया। उन्होंने कहा, 'ऐज को नंबर ही होता है यार। जो आपकी शक्ल पर दिखता है।'

आम सूचना

मैं श्री लखमीचंद वरंदमल फुलवाणी सभी को सूचित कर रहा हूं कि शॉप नं. 7, ग्राऊंड फ्लोर, गोविंदा अपार्टमेंट, बैरक नं. 407/12, उल्हासनगर-1. (टैक्स नं. 12बीआय015387200) उक्त प्रॉपर्टी श्री राम फतूमल कोटवाणी के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 4.4.1996 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री लखमीचंद वरंदमल फुलवाणी

आम सूचना

हम श्री सुमित रामचंद्रा गोयल व श्री अमन रामचंद्रा गोयल सभी को सूचित कर रहे हैं कि ब्लाक नं. 78, रुम नं. 468, कुर्ला कैम्प, उल्हासनगर-4. (टैक्स नं. 51डीआय010988700) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती सरीता देवसी कुम्भार और अन्य दो जनों के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 16.7.2024 सी.नं. 22/2024 द्वारा हमने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद हम अपने नाम करवाना चाहते हैं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री सुमित रामचंद्रा गोयल
व श्री अमन रामचंद्रा गोयल

आम सूचना

मैं श्री रामाशंकर आर. तिवारी सभी को सूचित कर रहा हूं कि शॉप नं. 8, ग्राऊंड फ्लोर, बैरक नं. 520 के पीछे, उल्हासनगर-2. (टैक्स नं. 23बीआय019801000) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती रेनू कमल कुकरेजा के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 25.7.2024 सी.नं. 1316 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री रामाशंकर आर. तिवारी

आम सूचना

मैं श्रीमती शशिकला गोपी विश्वकर्मा सभी को सूचित कर रही हूं कि रुम, रमाबाई आंबेडकर नगर, 100 चौ.फुट, उल्हासनगर-2. (टैक्स नं. 19बीओ016289300) उक्त प्रॉपर्टी श्री दयाराम भगवानदास चौरसिया के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 19.1.2023 सी.नं. 27/2023 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती शशिकला गोपी विश्वकर्मा

आम सूचना

मैं श्रीमती शशिकला गोपी विश्वकर्मा सभी को सूचित कर रही हूं कि रुम, रमाबाई आंबेडकर नगर, 90 चौ.फुट, उल्हासनगर-2. (टैक्स नं. 19बीओ016207300) उक्त प्रॉपर्टी श्री रविंद्र ए. यादव के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 14.6.2023 सी.नं. 2736 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती शशिकला गोपी विश्वकर्मा

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099